



हांसी। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हांसी में परेड की सलामी लेते हुए।

फोटो: हरिभूमि



सोनीपत। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया व वीरगंगाओं को सम्मानित किया।



झज्जर। मंत्री आरती राव को सम्मानित करतीं डीसी वर्षा खांगवाल।

महिला सशक्तीकरण के साथ विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर भारत : आरती राव

झज्जर। जिला मुख्यालय स्थित रोडवेज वर्कशॉप परिसर में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह में पहुंचकर ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। आरती सिंह राव ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिनके संघर्ष के कारण हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर जवानों का योगदान भी अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को सम्मान के साथ विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। उन्होंने अमर शहीद राव तुलाराम को नमन करते हुए कहा कि ऐसी महान विभूतियों के त्याग व समर्पण से युवा शक्ति को जीवन में आगे बढ़ने का सकारात्मक संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण के साथ विकसित राष्ट्र बनने की ओर भारत अग्रसर हो रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर सरकार का विशेष जोरस्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

कहा- हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए

1857 की क्रांति के शहीदों की स्मृति में अंबाला में 22 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहीदी स्मारक बनाया, शहीदों के 423 आश्रितों को नौकरियां दी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶हांसी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हांसी में आयोजित राज्य स्तरीय ध्वजारोहण समारोह में तिरंगा फहराया और प्रदेशवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दिन-रात और हर मौसम में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सीमा प्रहरी सैनिकों को विशेष रूप से बधाई दी। मुख्यमंत्री ने देश की आजादी तथा आजादी के बाद देश की रक्षा के लिए कुर्बान होने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने बताया कि इस बार हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सन 1857 की क्रांति के शहीदों की स्मृति में अंबाला में 22 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का शहीदी स्मारक बनाया गया है। हरियाणा सरकार ने शहीद सैनिकों को अग्निवीरों की एक्स-ग्रेडिशा ग्रांट एक करोड़ रुपये की तथा दिव्यांगता की स्थिति में 35 लाख रुपये की सहायता दी है। शहीदों के 423 आश्रितों को नौकरियां भी दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की बड़ी शक्तियों में शामिल हो चुका है और देश ने सूर्ययान, चंद्रयान तथा मंगलयान जैसे मिशन पूरे किए हैं। भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया



हांसी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पौधरोपण करते सीएम नायब सिंह सैनी।

फोटो: हरिभूमि

और स्वदेशी अभियान ने देश को आयातक से निर्यातक राष्ट्र की ओर अग्रसर किया है। राष्ट्र की प्रगति यात्रा में हरियाणा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पिछले लगभग 12 वर्षों में हरियाणा ने विकास के हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के मनोबल को ऊंचा करने के लिए लोक परीक्षा संशोधन अधिनियम 2026 लागू किया है। हरियाणा में भी

पेपर लीक और नकल जैसी बुराइयों को रोकने के लिए हरियाणा लोक परीक्षा अधिनियम 2021 लागू किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा उदय कार्यक्रम के माध्यम से नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया गया है। पिछले लगभग 12 वर्षों में बिना खर्ची-बिना पर्ची के 2 लाख से अधिक युवाओं को नौकरियां दी गई हैं।

ग्राम विकास के लिए 8704 करोड़ रुपये का प्रावधान किया

उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनका सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। बहन-बेटियों को उच्च शिक्षा देने के लिए प्रदेश में 83 कॉलेज खोले गए हैं, जिनमें 32 लड़कियों के कॉलेज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। इन प्रोत्साहन योजनाओं का ही परिणाम है कि आज हरियाणा देश-विदेश के निवेशकों की पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का मार्ग गांव की गलियों से होकर गुजरता है। चालू वित्त

वर्ष में ग्राम विकास के लिए 8704 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। शहरों में विकास कार्यों को गति देने के लिए शहरी स्थानीय निकायों की शक्तियों का विकेंद्रीकरण किया गया है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, हिसार और पंचकुला के समग्र विकास के लिए मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन किया गया है। 3124 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा समृद्धि की एक नई परिभाषा लिख रहा है। पिछले 12 वर्षों का कार्यकाल समान विकास, समरसता और सहिष्णुता का साक्षी रहा है। उन्होंने महान सांस्कृतिक परंपराओं और उच्च नैतिक मूल्यों पर चलते हुए विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए करोड़ों परिश्रम करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।



श्रुति चौधरी ने शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

पंचकुला। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने पंचकुला स्थित शहीद स्मारक मार्ग पहुंचकर राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्रुति चौधरी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को श्रद्धापूर्वक याद किया।



स्वतंत्रता दिवस समारोह में महिपाल ढांडा ने फहराया तिरंगा

फतेहबाद। पुलिस लाइन मैदान में शनिवार को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने मुख्य

अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। मंत्री ने कहा कि देश की आजादी अखंड स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है।



हिसार। सांसद कुमारी सैलजा को सम्मानित करते आयोजक।

फोटो: हरिभूमि

सांसद ने लोगों को किया प्रेरित कुमारी सैलजा ने गुरुकुल आर्यनगर में फहराया तिरंगा

■ बोलें: आजादी लंबे संघर्ष के बाद मिली है इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶हिसार

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुकुल आर्यनगर संस्कृत विद्यापीठ में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम और गौरव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिरसा लोकसभा सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर ध्वजारोहण किया और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

गुरुकुल के मंत्री एवं कांग्रेस तीलगल डिपार्टमेंट के प्रदेश चेयरमैन लाल बहादुर खोवाल ने स्वागत भाषण दिया। समारोह की अध्यक्षता विद्यापीठ के कार्यकारी प्रधान राम कुमार आर्य ने की जबकि विशिष्ट

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर सुभाष जांगड़ा, गुरुकुल कुरुपति आचार्य रामस्वरूप शास्त्री, मानसिंह पाठक, बहमचारी दीपकुमार आर्य, सुरेश शास्त्री, डॉ. मंदीप पुनिया, मनोज राठी, सतेन्द्र सिंह, मंगिराम सेठ प्रधान नई अनाज मंडी, बजरंग इंदल, विजेन्द्र कपूर, चाननलाल, रामनिवास, लोकेश, वीरेन्द्र सेलवाल, विजेन्द्र, जगदीश बिश्नोई, विक्रम मित्तल, अंकित चमारखेड़ा, सुरेन्द्र सैनी, नरेन्द्र नागर, ईश्वर, मुकेश सैनी, विकास गायल मौजूद रहे।

अतिथि के रूप में सुभाष जांगड़ा, डॉ. मंदीप पुनिया, संतोष आर्यनगर उपाध्यक्ष ब्लॉक समिति व धर्म राज उपस्थित रहे। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह आजादी लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान के बाद मिली है इसलिए इसकी गरिमा को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, न्याय, स्वतंत्रता और सम्मान का अधिकार देता है।

हिसार में सांसद नवीन जिंदल ने किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶हिसार

कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल ने शनिवार को गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में आयोजित जिला हमारे दिवस समारोह में अन्नदाता व ध्वजारोहण किया देश की ताकत और भव्य परेड की सलामी ली। इसके साथ ही उन्होंने मार्च पास्ट करने वाली विभिन्न टुकड़ियों का निरीक्षण किया। इससे पूर्व सांसद नवीन जिंदल ने उपायुक्त महेंद्र पाल और पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन

के साथ लघु सचिवालय परिसर के समीप स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करते हुए शहीद हुए वीर सपूतों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करने का अवसर है, जिनके त्याग और संघर्ष से हमें आजादी मिली। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की

नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा डबल इंजन सरकार के साथ विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। किसान हमारे अन्नदाता और देश की ताकत हैं। पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा सहित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य किसानों को आर्थिक सुरक्षा देना और उनकी मेहनत का सम्मान करना है। सांसद ने कहा कि हमारी माताएं और बहनें भी राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज और आने वाली पीढ़ियां मजबूत होती हैं।



हिसार। सांसद नवीन जिंदल स्वतंत्रता दिवस समारोह में बाल कलाकारों के साथ।

फोटो: हरिभूमि

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो. विजय दुल ने कहा, रोहतक में तिरंगा फहराने का इतिहास आजादी के दिन से पुराना

आजादी की पहली सुबह रोहतक में बरसी थी फुहार कहां फहरा था सबसे पहला तिरंगा, इतिहास में दर्ज नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

15 अगस्त 1947 की सुबह देश आजाद हुआ तो रोहतक भी उस ऐतिहासिक पल का गवाह बना। आजादी की पहली सुबह जिले में हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। आसमान से गिरती फुहार के बीच लोग अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति की खुशी मना रहे थे। लेकिन आजादी के 79 साल बाद भी एक सवाल का प्रमाणित हवाब इतिहास के पन्नों में साफ तौर पर दर्ज नहीं है कि रोहतक शहर में उस दिन सबसे पहले तिरंगा आखिर कहां फहराया गया था।



रोहतक। जीवन के अंतिम दिनों में उमराव सिंह राय।

फाइल फोटो

उपलब्ध जिला गजेटियर में जिले के स्वतंत्रता आंदोलन का विस्तृत उल्लेख है, लेकिन 15 अगस्त 1947 को शहर में पहले ध्वजारोहण के

स्थान का स्पष्ट विवरण नहीं मिलता। आजादी की उस पहली सुबह का यह व्यौरा रोहतक जिले के अंतिम स्वतंत्रता सेनानी रहे निगाना गांव के

आजादी से पहले ही तिरंगा बन चुका था संघर्ष का प्रतीक

रोहतक में राष्ट्रीय ध्वज और स्वतंत्रता आंदोलन का रिश्ता 15 अगस्त 1947 से कई दशक पुराना है। 1929 के रोहतक सम्मेलन में ध्वजारोहण हुआ था। 1931 में जिले के मोखरा गांव में आयोजित ग्रामीण सम्मेलन में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। उस समय तिरंगा अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष और स्वराज की आकांक्षा का प्रतीक बन चुका था।

उमराव सिंह राव की स्मृतियों में दर्ज था। जनवरी 2022 में उनका निधन हुआ। अगस्त 2021 में हरिभूमि से हुई बातचीत में उन्होंने 15 अगस्त 1947

1922 में झज्जर टाउन हॉल पर फहराया था तिरंगा

रोहतक निवासी व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो. विजय दुल बताते हैं कि रोहतक में तिरंगे का इतिहास आजादी के दिन से शुरू नहीं होता। स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े कार्यक्रमों में राष्ट्रीय ध्वज पहले से ही फहराया जाता था। 15 अगस्त 1947 तक आते-आते तिरंगा लोगों के लिए आजादी की उम्मीद और संघर्ष का प्रतीक बन चुका था। उस समय जिला आज के मुकाबले काफी बड़ा था।

झज्जर और बहादुरगढ़ भी रोहतक जिले का हिस्सा थे। डॉ. दुल ने कहा कि झज्जर में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 15 जनवरी 1922 को पंडित श्रीराम शर्मा द्वारा टाउन हॉल पर अंग्रेजी झंडा उतारकर तिरंगा फहराने का स्पष्ट ऐतिहासिक उल्लेख मिलता है। लेकिन 15 अगस्त 1947 को रोहतक शहर में सबसे पहले तिरंगा कहां फहराया गया था, इसका प्रमाणित विवरण अब भी इतिहास की तलाश बना हुआ है।

को याद करते हुए बताया था कि आजादी के दिन जिले में हल्की-हल्की बारिश हुई थी। आजादी की

खुशी इतनी जबरदस्त थी कि कुछ लोग रोहतक से चलकर दिल्ली तक पहुंच गए थे।



स्मार्ट सिटी के विकास कार्यों का डीसी ने किया निरीक्षण

करनाल। उपायुक्त करनाल डॉ आनंद शर्मा ने शुक्रवार को करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा करवाए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को आगामी एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें, ताकि इनका उद्घाटन करवाकर करनाल की जनता को समर्पित किया जा सके। उपायुक्त ने उधम सिंह पार्क, सेक्टर-9 में पौधरोपण एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। इस कार्य पर लगभग 1.20 करोड़ रुपये की लागत आएगी तथा यह कार्य वन विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। इसी प्रकार सेक्टर-32 में सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया, जिसकी अनुमानित लागत 7.24 करोड़ रुपये है। सेक्टर-33 में सामुदायिक भवन एवं बैडमिंटन हॉल के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया।

सोनीपत में करंट लगने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

सोनीपत। सोनीपत के गांव बारोटा में बिजली के करंट की चपेट में आने से करीब 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर उस समय हुआ, जब बच्चा अपने दोस्तों के साथ डेन नंबर-8 के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते बच्चा वहां लगे बिजली के खंभे के संपर्क में आ गया। पुलिस ने मृतक बच्चे के पिता यूपी के शाहजहांपुर निवासी विनोद की शिकायत पर मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने हादसे के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेवार ठहराते हुए संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम की भी मौके पर बुलाया। विनोद कुमार के अनुसार वह मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसके दो बेटे और एक बेटी हैं।

सीआईए ने अवैध देशी कुट्टे के साथ आरोपी को दबोचा

रेवाड़ी। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों, नशा तस्करों व गंभीर मामलों में सलिलत बदमाशों पर शिकंजा कसने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की है। इसी कड़ी में सीआईए रेवाड़ी ईंचार्ज निरीक्षक संजय कुमार की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सचिन उर्फ रावण (निवासी गांव रसियावास) के रूप में हुई है। से गांव चांदवास से मोहनपुर रोड से पकड़ा गया। जब पुलिस टीम द्वारा आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध देशी कुट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना बावल में केस दर्ज कर लिया है।

पहल

यह सिर्फ पुस्तक नहीं, जागरूकता का आंदोलन है

वेबसाइट पर भी मिलेगी डिजिटल कॉपी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

प्रदेश को स्वस्थ हरियाणा, सक्षम हरियाणा बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का सपना तभी पूरा होगा जब प्रदेश का हर नागरिक अपने सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान

कौमी इंसाफ मोर्चा की अगुवाई में राज्यपाल भवन की ओर कूच बंदी सिखों की रिहाई को चंडीगढ़ बॉर्डर पर उग्र प्रदर्शन, पुलिस ने ड्रोन से फेंके आंसू गैस के गोले

■ पूर्व सीएम की हत्या में शामिल हवारा को पैरोल देने की मांग, अब 21 अगस्त को पंजाब बंद करने का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶चंडीगढ़

चंडीगढ़ बॉर्डर पर स्वतंत्रता दिवस की सुबह जमकर बवाल हुआ। सजा पूरी कर चुके बंदी सिखों को रिहा करने और पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या में शामिल जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने शनिवार सुबह मोहाली से चंडीगढ़ में गवर्नर हाउस की ओर कूच किया। यह प्रदर्शन कौमी इंसाफ मोर्चा की अगुवाई में हुआ। भीड़ सुबह मोहाली के वाईपीएस चौक के पास इकट्ठा हुई और वहां से चंडीगढ़ की तरफ कूच किया। चंडीगढ़ पुलिस ने एहतियात के तौर पर सुबह से ही बॉर्डर सील कर दिया। मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले सभी रास्तों पर



चंडीगढ़ बॉर्डर पर कौमी इंसाफ मोर्चा के बैनर तले इकट्ठे हुए सिखों को रोकने के लिए लगाए बैरिकेड और पुलिस ने वाटर कैनन कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।

बैरिकेडिंग के साथ अतिरिक्त पुलिस जवान भी तैनात कर दिए। सिख कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा के करीब 2,000 प्रदर्शनकारी जुटे। उग्र भीड़ ने जब ट्रैक्टर की मदद से बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की तो पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए उन पर गन के अलावा ड्रोन की मदद से आंसू गैस के गोले दागे गए। चंडीगढ़ पुलिस ने भीड़ से शांति बनाए रखने की अनाउंसमेंट की

और कहा कि प्रशासन मोर्चे के प्रतिनिधियों से बातचीत करने को तैयार है। प्रदर्शन में पुलिस जवानों को हमले से बचने को धातु से बनी जालीदार पोशाक पहनाई गई। उधर, चंडीगढ़ में गवर्नर हाउस के करीब पहुंच जाने पर पुलिस ने शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष और पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को हिरासत में ले लिया। अब मोर्चा के नेताओं ने 21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलान किया है।

शांतिपूर्ण विरोध करना चाहते हैं : गुरचरण

कौमी इंसाफ मोर्चा के पंजाब गवर्नर हाउस की ओर मार्च करने के मामले पर जगतार सिंह हवारा के पिता गुरचरण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा मौलिक अधिकार है। हम तीन साल से ज्यादा समय से यहां शांति से बैठे हैं, लेकिन सरकार हमें न्याय देने को तैयार नहीं है। इसीलिए आजादी के दिन हमने काले झंडे लेकर शांतिपूर्ण मार्च और विरोध प्रदर्शन किया। हमारा मकसद पूरी तरह शांतिपूर्ण है, लेकिन हमें लगता है कि सरकार उस शांतिपूर्ण विरोध में बाधा डाल रही है। गुरचरण सिंह ने कहा कि हमने कभी बैरिकेड नहीं तोड़े। हम पुलिस का सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन बेवजह बैरिकेडिंग से तनाव पैदा हो रहा है और हमें ऐसी स्थिति में धकेला जा रहा है जो हम नहीं चाहते। हमारी मुख्य मांग हिरासत में लिए गए सिखों की रिहाई है, अभी हम उनमें से एक के लिए 10 दिनों की पैरोल की भी मांग कर रहे हैं ताकि वह अपनी मां से मिल सके, जो लंबे समय से गंभीर रूप से बीमार और बिस्तर पर है।

मुंबई एयरपोर्ट से नीलोखेड़ी गोलीकांड का आरोपी पकड़ा बोला-बीरू वाल्मीकि का शूटर समाना ने करवाया मर्डर

■ बीरू हत्याकांड में पुलिस ने किया था दो का पनाकाउटर

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶करनाल

चर्चित बीरू वाल्मीकि हत्याकांड में करनाल पुलिस ने नीलोखेड़ी निवासी आरोपी योगेश कपूर को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। योगेश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। योगेश ने बीरू हत्याकांड में अपनी भूमिका से इनकार करते हुए हर्ष, बीरबल और वंश उर्फ शूटर समाना को लेकर बड़ा दावा किया। शनिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा और उसके बाद 7 दिन के रिमांड पर लिया जाएगा। योगेश कपूर ने दावा किया कि बीरू वाल्मीकि की हत्या हर्ष और बीरबल ने की थी, जबकि यह हत्या वंश उर्फ शूटर समाना ने करवाई थी। उसके अनुसार शूटर समाना और बीरू वाल्मीकि के बीच ईस्टाग्राम पर विवाद चल रहा था। योगेश ने दावा



करनाल। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी योगेश।

फोटो : हरिभूमि

परिवार का दावा- बेटा निर्दोष, खुद संरेडर किया

13 अगस्त को योगेश कपूर का परिवार करनाल एसपी कार्यालय पहुंचा था। परिवार की ओर से कहा गया था कि योगेश का कोई कसूर नहीं है और वह पुलिस के सामने संरेडर करने के लिए मारत आ रहा है। वहीं पुलिस सूत्रों के अनुसार परिवार को जवाब दिया गया कि अगर योगेश वास्तव में संरेडर करने के लिए आ रहा था, तो दिल्ली या चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतर सकता था।

किया कि हर्ष और बीरबल को हथियार भी शूटर समाना ने ही उपलब्ध करवाए थे। उसने कहा कि उसका रोल केवल नीलोखेड़ी गोलीकांड में था, बीरू हत्याकांड में

नहीं। योगेश ने बताया कि वह दुर्ब में था और वहां से मुंबई आया था। उसने कहा कि वह भागना चाहता था, लेकिन बाद में संरेडर कर दिया। साथ ही उसने दावा किया कि उसकी

पुलिस बोलीं- गोलीकांड में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार नीलोखेड़ी गोलीकांड में दो आरोपी पहले गिरफ्तार हो चुके हैं। योगेश मामले में तीसरा आरोपी है। पुलिस का कहना है कि योगेश ने नीलोखेड़ी में गोली चलाई थी, इसलिए उसे पकड़ने के लिए एलओसी जारी की गई थी। बीरू हत्याकांड से जुड़ी जानकारी भी उसके पास होने की बात सामने आई है। अब पुलिस योगेश को एक सप्ताह के रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ करेगी। पुलिस हत्याकांड और नीलोखेड़ी गोलीकांड से जुड़े तथ्यों की कड़ियां जोड़ने के साथ योगेश के दावों की भी जांच करेगी। वहीं बीरू वाल्मीकि हत्याकांड मामले के बाद हुए पनाकाउट का मामला हरियाणा सौदर उच्च न्यायालय में मामला लगातार तृप्त पकड़ता जा रहा है।

आईडी किसी ने हैक कर रखी है और वही उसे चला रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हर्ष और बीरबल के एनकाउंटर के विरोध में कई पंचायत हो चुकी है।

वोटर लिस्ट में नाम दर्ज के लिए 25 हजार फॉर्म 6 मिले

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना तथा अपने परिवार के पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो आवश्यक दस्तावेजों एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-6 के माध्यम से नाम शामिल करवाने के लिए दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। अब तक 25,315 फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार

मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य विवरण में संशोधन के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-8 भरा जा सकता है। अब तक 27,426 फॉर्म-8 प्राप्त हुए हैं। वहीं, किसी अपात्र, मृत, स्थानांतरित अथवा अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत मतदाता का नाम हटाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकती है। अब तक 1,078 फॉर्म-7 प्राप्त हुए हैं। प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन 31 जुलाई को किया जा चुका है।

योगेंद्र शर्मा ▶▶चंडीगढ़

सूबे में एससी और एसटी के विरुद्ध होने वाले मामलों में कमी आई है। अनुसूचित जाति-जनजाति के खिलाफ अत्याचार के नए मामले घटने को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने राहत की सांस ली है। उक्त पूरे मामले में लोकसभा में सांसद की ओर से प्रश्न लगाया गया तो उसके जवाब में आंकड़ों के साथ में जवाब में यह बात साफ हुई है। जानकारी अनुसार अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। गत तीन साल के आंकड़ों में यह साफ दिखता है। 2022 में 1633

मामले दर्ज हुए थे, जो 2024 में घटकर 1077 रह गए। इसके बावजूद लंबित मामलों की संख्या 3119 से बढ़कर 3910 हो गई। भारतीय जनता पार्टी के सांसद नवीन जिंदल के लोकसभा के अंदर सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने आंकड़े दिए। 2024 में दर्ज 1077 मामलों में 661 में आरोपपत्र दाखिल हुआ, जबकि सिर्फ 56 मामलों में दोषसिद्धि हुई। साल के अंत तक 3910 मामले लंबित थे। यानी नए मामलों में कमी के बावजूद पुराने मामलों के निपटारे की रफ्तार लंबित बोझ कम करने के लिए पर्याप्त नहीं रही।

देश में लंबित मामले 3.92 लाख

देशभर में 2024 के अंत तक 3 लाख 92 हजार 6 मामले लंबित थे। इसी वर्ष 65 हजार 546 नए मामले दर्ज हुए, 52 हजार 868 में आरोपपत्र दाखिल हुआ और 7050 मामलों में दोषसिद्धि हुई। राष्ट्रीय स्तर पर भी लंबित मामलों की संख्या 2022 के 3.28 लाख से बढ़कर 2023 में 3.60 लाख और 2024 में 3.92 लाख हो गई। पीडितों की राहत के लिए केंद्र ने 2022-23 से 2024-25 के बीच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 1423.30 करोड़ रुपये जारी किए। इस अवधि में 2.67 लाख से अधिक पीडितों को राहत दी गई।

3910 केस, लेकिन विशेष अदालत नहीं

हरियाणा में एससी-एसटी अत्याचार मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए अब तक कोई एक्सप्रेसिव स्पेशल कोर्ट स्थापित नहीं की गई है। केंद्र के अनुसार 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ऐसी 217 विशेष अदालतें गठित हैं। हरियाणा और हिमाचल प्रदेश समेत 10 राज्यों में अभी ऐसी अदालतें नहीं हैं। कानून की धारा 14 के तहत सरकार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालत स्थापित कर सकती है।

हिमाचल में 767 केस लंबित

हिमाचल प्रदेश में 2024 में 245 मामले दर्ज हुए, 169 में आरोपपत्र दाखिल हुआ और केवल सात में दोषसिद्धि हुई। वर्ष के अंत में 767 मामले लंबित थे। वहां भी एससी-एसटी अत्याचार मामलों के लिए अलग विशेष अदालत नहीं है।

परंपरागत कंस्ट्रक्शन मैटीरियल नहीं स्टील से बनवा रहे सरकारी इमारतें

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶चंडीगढ़

प्रदेश में अब पुरानी परंपरा वाली इमारत नहीं बल्कि नई तकनीक और सामग्री में भी बड़ा बदलाव आ गया है। अब परंपरागत कंस्ट्रक्शन मैटीरियल के बजाय स्टील की इमारतें बनवाने का ट्रेंड चल पड़ा है। इस क्रम में पंचकूला में एक सरकारी इमारत का निर्माण किया जा रहा है। उक्त भवन में ईंट-सीमेंट, बजरी-रेत और कंक्रीट से नहीं बल्कि स्टील की इमारतें बनाने का काम हो रहा है। निजी क्षेत्रों के अलावा सरकार भी अब स्टील से बनने वाली बिल्डिंग को प्राथमिकता दे रही है। सूबे की नायब सैनी सरकार ने भी प्रदेश की पहली सरकारी एवं स्टील से बनी इमारत पंचकूला सेक्टर-1 में बनवाई है। इस इमारत का निर्माण आर्किटेक्ट प्रवीन समेत आर्किटेक्चरल विधि चौधरी और नीरज खुराना ने किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (हरेर)

निर्माण की विशेषताएं

प्रवीन ने बताया कि यह प्रोफेबरीकेटेड व स्टील की है और इसे केवल नट-बोल्ट लाकर जोड़ना था। गूंकप आने पर यदि इस स्टील की इमारत के लचीलेपन या मजबूती/क्षमता को देखें तो यह कंक्रीट से कहीं ज्यादा है। इसके अलावा कई वर्षों तक बिल्डिंग की मजबूती और जंग लगने का खतरा नहीं रहता। करीब 51 करोड़ की लागत से यह इमारत बनेगी।

की इस नई ऑफिस बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया है। एक लाख स्क्वायर फीट के क्षेत्र में यदि ईंट-बजरी, सीमेंट-रेत और कंक्रीट की इमारत बनाई जाए तो लगभग 4 से 5 वर्ष का समय लग जाता है। जबकि स्टील की इमारत को डेढ़ वर्ष में बनाकर तैयार कर दिया गया है। पंचकूला में ताऊ देवीलाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भी आठ मंजिला हॉस्टल स्टील मैटीरियल से तैयार किया जा रहा है।



रोहताक। हेल्थ बुलेटिन को दिखाते हुए अधिकारी।

फोटो : हरिभूमि

में हो रही नई तकनीकों और सुविधाओं से वाकफ होगा। यह बुलेटिन उसी जानकारी को घर-घर तक पहुंचाएगा। यह एक पुस्तक नहीं, बल्कि जागरूकता का आंदोलन है। हमारा उद्देश्य है कि आमजन को पता चले कि उनका पीजीआईएमएस किस दिशा में काम

कर रहा है और किस तरह नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। **ये रहे हेल्थ बुलेटिन एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य:** डॉ. सविता सिंघल, डॉ. उर्मिल चावला, डॉ. रूचि सिंघल, डॉ. मधु, डॉ. आरती, डॉ. वरुण अरोड़ा, डॉ. उमेश यादव शामिल रहे।

बुलेटिन में क्या खास

डीन छात्र कल्याण डॉ. सविता सिंघल के दिशा-निर्देशन में तैयार इस बुलेटिन में बीमारियों से बचाव के तरीकों के साथ-साथ संस्थान में हो रहे सभी कार्यों, नई परियोजनाओं, शोध, अकादमिक गतिविधियों और चिकित्सकीय सेवाओं की पूरी जानकारी दी गई है। दूसरे अंक में अप्रैल से जून 2026 तक की अवधि में विभिन्न विभागों की उपलब्धियों, बड़ी सफल सर्जरी, नए कोर्स, फैकल्टी की उपलब्धियां, कैम्प की हलचल और छात्र गतिविधियों को विशेष स्थान दिया गया है।

इलाज से बड़ा है विश्वास

कुलपति डॉ. अगवाल ने कहा कि पहला अंक जारी होने के बाद लोगों से जबबद्ध प्रतिक्रिया मिली। इसी को देखते हुए अब इसे हर तिमाही

सभी विभागों की सेवाओं की मिलेगी जानकारी

डॉ. सविता सिंघल ने बताया कि कुलपति डॉ. अगवाल, कुलसचिव डॉ.रूपसिंह, निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एमजी वशिष्ठ, डीन डॉ. अशोक चौहान के दिखन से यह बुलेटिन तैयार हुआ है। इसमें विभागीय डायरी, उपलब्धियों का कॉलम और नए समझौते भी शामिल किए गए हैं। निदेशक पीजीआईएमएस डॉ. एस.के. सिंघल ने कहा कि पीजीआईएमएस में प्रतिदिन हजारों मरीज आते हैं। उन्हें अक्सर पता नहीं होता कि संस्थान में कौन सी नई सुपर-स्पेशियलिटी सेवा शुरू हुई है या किस विभाग में कौन सी आधुनिक मशीन आई है। यह बुलेटिन एक संस्थान गाइड की तरह काम करेगा और मरीजों को सही जानकारी देगा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ.रूपसिंह, निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एम.जी. वशिष्ठ, डीन डॉ. अशोक चौहान, डॉ. उर्मिल चावला, डॉ. रुचि सिंघल, डॉ. आरती, डॉ. वरुण अरोड़ा, डॉ. उमेश यादव सहित एडिटोरियल बोर्ड के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है। इसकी डिजिटल प्रति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि इलाज से बड़ा है विश्वास, और विश्वास आता है जानकारी से। जब

लोगों को पता चलेगा कि उनका अपना पीजीआईएमएस हर दिन बेहतर हो रहा है, तो स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता खुद-ब-खुद बढ़ जाएगी। यह बुलेटिन संस्थान और समाज के बीच श्रुतु का काम करेगा।

ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव से बचना है तो डायनेमिक बॉन्ड फंड विकल्प

- ▶▶ शॉर्ट टर्म के लिए मनी मार्केट व लंबी अवधि में टारगेट मैच्योरिटी फंड बेहतर
- ▶▶ निवेश करने से पहले जोखिम और अवधि को भी बेहतर तरीके से समझ लें



ब्याज दरों में बदलाव का असर डेट निवेश पर सीधे पड़ता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति का रुख फिलहाल तटस्थ रहने के बीच फिक्स्ड इनकम निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे ब्याज दरों के अगले कदम का अनुमान लगाए बिना अपने निवेश में जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन कैसे बनाएं। ऐसे माहौल में डायनेमिक बॉन्ड फंड निवेशकों के लिए एक विकल्प बनकर उभर रहे हैं। इन फंडों में फंड मैनेजर ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड की संभावित दिशा को देखते हुए पोर्टफोलियो की अवधि को बदल सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, डेट निवेश में सभी पैसे को एक ही अवधि के बॉन्ड में लगाना हमेशा उचित नहीं होता। ब्याज दरों में गिरावट आने पर लंबी अवधि के बॉन्ड को फायदा मिल सकता है, जबकि दरों में बढ़ोतरी होने पर छोटी अवधि के बॉन्ड अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। यही कारण है कि मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को अपनी जरूरत, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार डेट फंड का चुनाव करना चाहिए।

प्रॉपर्टी में पैसा लगाना है तो क्या बेहतर जमीन या फ्लैट

जानकारी
बिजनेस डेस्क

भारत में प्रॉपर्टी को लंबे समय से सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता रहा है। खासकर उन निवेशकों के बीच इसका आकर्षण ज्यादा है, जो अपने पैसे को किसी ठोस एसेट में लगाना चाहते हैं। लेकिन जब निवेश के लिए प्रॉपर्टी खरीदने की बात आती है तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि जमीन खरीदी जाए या फ्लैट? दोनों विकल्पों के अपने फायदे और जोखिम हैं। इसलिए केवल यह सोचकर फैसला करना कि जमीन की कीमत हमेशा तेजी से बढ़ेगी या फ्लैट से हर महीने किराया आएगा, पर्याप्त नहीं है। प्रॉपर्टी निवेश का सही विकल्प निवेशक के लक्ष्य, बजट, निवेश अवधि, जोखिम लेने की क्षमता और संबंधित इलाके की भविष्य की संभावनाओं पर निर्भर करता है।

जमीन में निवेश का बड़ा फायदा ये

जमीन खरीदने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक के पास भविष्य में अपनी जरूरत के मुताबिक निर्माण करने की आजादी रहती है। अगर प्लॉट अच्छी लोकेशन पर है और आसपास तेजी से विकास हो रहा है तो लंबे समय में इसकी कीमत बढ़ने की संभावना बन सकती है।



नई सड़क, मेट्रो, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक क्षेत्र, स्कूल, अस्पताल, बाजार या अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट किसी इलाके की जमीन की मांग को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में शुरुआती चरण में खरीदी गई जमीन भविष्य में महंगी हो सकती है। लेकिन जमीन के मामले में एक बड़ी गलती यह है कि निवेशक केवल इस उम्मीद में प्लॉट खरीद ले कि कुछ साल बाद उसकी कीमत कई गुना हो जाएगी। हर जमीन की कीमत एक जैसी गति से नहीं बढ़ती। अगर इलाके में पर्याप्त विकास नहीं हुआ या वहां मांग कमजोर रही तो जमीन लंबे समय तक एक ही कीमत के आसपास रह सकती है।

प्लॉट में किराये की आमदनी नहीं
जमीन और फ्लैट के बीच सबसे बड़ा अंतर नियमित आय का है। प्लॉट खरीदने के बाद सामान्य तौर पर उससे हर महीने किराये की आय नहीं होती। निवेशक को मुख्य रूप से भविष्य में कीमत बढ़ने से मिलने वाले पूंजीगत लाभ पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके अलावा खाली जमीन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मालिक की होती है। अवैध कब्जे, अतिक्रमण या जमीन से जुड़े विवाद का जोखिम नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए प्लॉट खरीदने समय सिर्फ लोकेशन और कीमत नहीं, बल्कि जमीन के दस्तावेज, मालिकाना हक, भूमि उपयोग और स्थानीय नियमों की जांच बेहद जरूरी है।

आज के दौर में अच्छी कमाई होना आर्थिक रूप से मजबूत होने की गारंटी नहीं है। कई लोग बेहतर वेतन पाने के बावजूद महीने के अंत तक अपनी पूरी कमाई खर्च कर देते हैं, जबकि कुछ लोग सीमित आमदनी में भी नियमित बचत और निवेश के जरिए धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार कर लेते हैं। बढ़ती महंगाई के बीच सिर्फ पैसा कमाना और उसे बैंक खाते में जमा करना पर्याप्त नहीं है। आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए कमाई, खर्च, बचत, निवेश और बीमा—इन सभी के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। पर्सनल फाइनेंस विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर व्यक्ति अपनी आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाए, उचित जगह निवेश करे, अचानक आने वाले खर्चों के लिए अलग फंड बनाए और परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करे तो लंबे समय में उसकी आर्थिक स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। इसके लिए कुछ बुनियादी नियमों को अपनी वित्तीय आदतों का हिस्सा बनाना जरूरी है।

लंबी अवधि कर रखें लक्ष्य
जिन निवेशकों का निवेश क्षितिज लंबा है, वे टारगेट मैच्योरिटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इन फंडों की औसत मैच्योरिटी एक से लेकर करीब 10 साल तक हो सकती है। इनका निवेश सरकारी प्रतिभूतियों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बॉन्ड और राज्य विकास ऋण जैसी सिक्क्योरिटीज में किया जा सकता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशक ऐसा टारगेट मैच्योरिटी फंड चुनें जिसकी मैच्योरिटी अवधि उस समय के करीब हो, जब उसे वास्तव में पैसे की जरूरत होगी। इससे निवेश की योजना को लक्ष्य के साथ जोड़ना आसान होता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड में निवेश करने वाले टारगेट मैच्योरिटी फंड फिक्स्ड इनकम पोर्टफोलियो का हिस्सा हो सकते हैं।

4-5 साल के नजरिए से हो सकता है फायदा

डायनेमिक बॉन्ड फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखा जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, करीब चार से पांच साल के निवेश क्षितिज वाले निवेशक ऐसे फंडों पर विचार कर सकते हैं। लंबी अवधि में फंड मैनेजर की ब्याज दरों के अलग-अलग चक्रों में पोर्टफोलियो की अवधि बदलने का अवसर मिलता है। लेकिन यहां निवेशकों के लिए यह समझना जरूरी है कि डेट फंड में भी बाजार जोखिम होता है। ब्याज दर बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, ब्याज दरों में गिरावट लंबी अवधि के बॉन्ड के लिए सकारात्मक हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि जितनी लंबी होगी, ब्याज दरों के चक्र का असर समझना उतना ही महत्वपूर्ण होगा।



डेट फंड चुनते समय निवेशकों को केवल पिछले एक साल के रिटर्न पर ध्यान नहीं देना चाहिए। फंड की क्रेडिट क्वालिटी, पोर्टफोलियो की अवधि, ब्याज दरों के अलग-अलग दौर में प्रदर्शन, फंड मैनेजर का अनुभव और निवेश की कुल लागत भी देखनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेशक अपनी जरूरत के हिसाब से फंड चुने। एक साल तक के लक्ष्य के लिए लिक्विड और मनी मार्केट फंड, लंबी अवधि के निश्चित लक्ष्य के लिए टारगेट मैच्योरिटी फंड और ब्याज दरों के चक्र को फंड मैनेजर पर छोड़ने वाले निवेशकों के लिए डायनेमिक बॉन्ड फंड उपयोगी विकल्प हो सकते हैं।

एक साल तक के निवेश में मनी मार्केट फंड

अगर निवेशक को अगले कुछ महीनों या करीब एक साल के भीतर पैसे की जरूरत है तो डायनेमिक बॉन्ड फंड के बजाय मनी मार्केट या लिक्विड फंड पर विचार किया जा सकता है। ये फंड आम तौर पर कम अवधि वाले और उच्च गुणवत्ता वाले इंस्ट्रुमेंट्स में निवेश करते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में एक साल तक की अवधि वाले शॉर्ट-ड्यूरेशन और मनी मार्केट फंड निवेशकों के लिए आकर्षक हो सकते हैं। हालांकि, निवेश से पहले फंड की क्रेडिट क्वालिटी और पोर्टफोलियो को देखना जरूरी है। इन फंडों का एक बड़ा फायदा तरलता है। निवेशक को लंबी अवधि के निवेश की तरह अपना पैसा लंबे समय तक लॉक रखने की जरूरत नहीं होती।

</

यूपी से लेकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों तक भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

खबर संक्षेप

राहुल गांधी 22 को पुणे में 'छात्रों की गूंज' अभियान में भाग लेंगे

पुणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 22 अगस्त को पुणे में पार्टी के अभियान 'छात्रों की गूंज' में भाग लेंगे। गांधी ने शिक्षा से जुड़े मुद्दों और छात्रों की समस्याओं को उजागर करने के लिए 17 जून को राजस्थान के कोचिंग हब कोटा से इस अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने 17 जुलाई देहरादून और आठ अगस्त को प्रयागराज में इस कार्यक्रम के दूसरे और तीसरे चरण को संबोधित किया था। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को कहा, "कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' का चौथा चरण 22 अगस्त को पुणे में राहुल गांधी की मौजूदगी में आयोजित होगा।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में रेलवे के अधिकारी को पकड़ा
रायपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रिश्वत मामले में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी और उसके कथित सहयोगी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार, इसके बाद रायपुर और भिलाई में आरोपी अधिकारी के आवासीय और कार्यालय परिसरों की तलाशी ली गई जिसमें करीब 77 लाख रुपये नकद और लगभग 14 लाख के आभूषण बरामद किए गए। जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपी अधिकारी ने एक शिकायतकर्ता से लंबित बिलों के भुगतान को मंजूरी देने के लिए कथित रूप से दो लाख की रिश्वत मांगी थी।

हाईकोर्ट से माकपा के पूर्व विधायक व दो नेताओं को हत्या मामले में बरी
कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2010 के हत्या मामले में दोषी करार दिए गए पूर्व माकपा विधायक मनोरंजन पात्रा और पार्टी के दो अन्य नेताओं को बरी कर दिया है। रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो कि घटना के समय आरोपी कथित घटनास्थल पर मौजूद थे। निचली अदालत ने चार बार विधायक रहे पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के तालडांगरा के निवासी पात्रा को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वह जमानत पर थे, जबकि अजबहोर खान और जितेन पात्रा जेल में बंद हैं। खंडपीठ ने तालडांगरा में तृणमूल कार्यकर्ता मदन खान की हत्या के आरोप से माकपा के तीनों नेताओं को बरी कर दिया।

28 घंटे बैकॉक एयरपोर्ट पर फंसे रहे 200 भारतीय

नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एयरपोर्ट पर करीब 28 घंटे से फंसे लगभग 200 भारतीय यात्रियों की शनिवार सुबह आखिरकार घर वापसी हुई। एअर इंडिया की फ्लाइट यात्रियों को लेकर दिल्ली पहुंची। इनमें मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के यात्री शामिल थे। यात्रियों के अनुसार, विमान में तकनीकी खराबी के बाद उनकी यात्रा लगातार टलती रही और उन्हें एयरपोर्ट तथा होटल के बीच कई घंटे इंतजार करना पड़ा। यात्रियों के मुताबिक बैंकॉक से दिल्ली आने वाली फ्लाइट गुरुवार रात रनवे तक पहुंचने के बाद अचानक वापस लौट आई। इसके बाद यात्रियों ने क्रू मेंबर्स से विमान के वापस आने की वजह पूछी। आरोप के कि क्रू ने तकनीकी खराबी की जानकारी दी। यात्रियों को कुछ समय तक विमान में ही बैठाकर रखा गया और बताया गया कि रात 11:15 बजे उड़ान भरी जाएगी। बाद में उन्हें उड़ान अगले दिन तक रद्द किए जाने की जानकारी दी गई।

होटल मेजा, अगले दिन फिर एयरपोर्ट बुलाया
रनवे से लौट आया था विमान, यात्रियों ने तकनीकी खराबी का लगाया आरोप
बार-बार बदला उड़ान का समय, बच्चों और महिलाओं समेत यात्री परेशान
से दिल्ली भेजे जाने की जानकारी दी गई थी। इसके चलते वे दोपहर करीब 1:30 बजे दोबारा एयरपोर्ट पहुंच गए। शाम 7:15 बजे फ्लाइट रवाना होने की जानकारी दी गई, लेकिन तय समय पर विमान ने उड़ान नहीं भरी। इसके बाद करीब 8 बजे बॉर्डिंग शुरू हुई। यात्रियों का कहना था कि उड़ान को लेकर बार-बार समय बदला जा रहा था और उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही थी।

मानसून का कहर, यूपी की 11 नदियां उफनी, अरुणाचल में 5 जवान लापता

उप्र के 75 जिलों में बारिश का अलर्ट

राजस्थान में भी भारी बारिश से हाल बेहाल
जयपुर के गांव का हाल
मध्य प्रदेश के जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में बारिश का दौर जारी है। राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। राजस्थान के 18 जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव और नदी-नालों के जलस्तर बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

एमपी-राजस्थान समेत कई राज्यों में चेतावनी-अरुणाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड से चार मौतें

हिमाचल में सड़कें बंद, भूस्खलन का खतरा
हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश से पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। कई सड़क मार्ग प्रभावित हैं। राज्य में मानसून से जुड़ी घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है और सड़क, बिजली तथा अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। शिमला में बारिश और धुंध के कारण दृश्यता काफी कम हो गई। वहीं बिलासपुर-सोलन सीमा के आसपास भूस्खलन से यातायात प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।
ओडिशा में 41 हजार से अधिक लोग सुरक्षित स्थानों पर मेजे
ओडिशा के छह जिलों में भारी बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बनी है। प्रशासन ने 41 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। 429 गांव प्रभावित बताए गए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य जारी है।
क्या कहता है मौसम विभाग: मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और मैदानी इलाकों में जलभराव के खतरे को देखते हुए लोगों से नदी-नालों और संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहने तथा स्थानीय प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील की गई है।



अरुणाचल में बाढ़ फटा
अरुणाचल प्रदेश में मौसम ने गंभीर रूप ले लिया है। दिवांग वेली में बाढ़ल फटने के बाद आई फ्लेश फ्लड ने दो सैन्य शेल्टरों को बहा दिया। हादसे में पांच सैन्यकर्मों लापता हो गए। सेना ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है और कई टीमों तथा हेलीकॉप्टर तलाश अभियान में लगाए गए हैं। दो जवानों को सुरक्षित बचाए जाने की भी जानकारी सामने आई है। इसी राज्य के अपर सुबनसिरी जिले में भूस्खलन से चार लोगों की मौत हुई है।

लाल किले के प्राचीर से नाम लिए बिना पीएम मोदी का विपक्ष पर तीखा हमला

दिमागी नक्सलियों को पहचानें, उन्हें अलग करें, ये समाज को भटका रहे

देश के सामने विकास, सुरक्षा और सामाजिक भागीदारी का एजेंडा रखा

◀ अब चुनौती उन सपनों को टोस नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन में बदलने की है
◀ स्वतंत्रता दिवस के माषण में सुरक्षा और वैचारिक चुनौती को एक नया राजनीतिक आयाम दिया



लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं

हालांकि 'दिमागी नक्सल' की परिभाषा को लेकर स्पष्टता जरूरी होगी। लोकतंत्र में हिंसा, सशस्त्र उग्रवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का पूरा अधिकार राज्य को है, लेकिन वैचारिक असहमति, सरकार की आलोचना और हिंसक उग्रवाद के बीच अंतर

आत्मनिर्भरता और विकास की 'सप्तधारा'

मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए विनिर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, तकनीक एवं नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा उत्पादन, हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर को विकास की 'शक्ति की सप्तधारा' के रूप में सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहकर नहीं जीना है। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल आयात कम करना नहीं, बल्कि घरेलू क्षमता, तकनीक, उत्पादन और नवाचार को इतना मजबूत बनाना है कि भारत वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सके।

अलवर में खाद्य तेल पैकेजिंग कंपनी में लगी भीषण आग

एजेंसी ►► जयपुर

पुलिस ने कारखाने को खाली कराया

राजस्थान के अलवर शहर के पास औद्योगिक क्षेत्र में स्थित खाद्य तेल पैकेजिंग फैक्टरी में शनिवार को भीषण आग लग गई। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास स्थित कारखानों को खाली करा लिया। पुलिस ने बताया कि आग मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कारखाने में लगी, जहां सरसों के तेल की पैकेजिंग की जाती थी। आग बुझाने के लिए दमकल के एक दर्जन से अधिक वाहनों को मौके पर

लगाया गया। अधिकारियों के अनुसार, आग की लपटें काफी ऊंची थीं और धुएं के घने गुबार दूर से ही दिखाई दे रहे थे। आग फैलने की आशंका को देखते हुए आसपास के कारखानों में काम कर रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया। राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। हादसे के समय फैक्टरी में बड़ी मात्रा में सरसों के तेल का भंडारण मौजूद था।

उत्तर प्रदेश के संभल की घटना स्कूल का छज्जा गिरने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत, दो गंभीर

एजेंसी ►► संभल

उप्र के जिले की संभल तहसील के मदाला फतहपुर गांव में शनिवार सुबह स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान स्कूल का छज्जा गिरने से आठ साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित बच्चे पड़ोस के थे जो कार्यक्रम देखने आए थे। घायल बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम चल रहा था

निरीक्षण करके आवश्यक निर्देश दिए, वहीं, मृत बच्चे के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। अल हसन पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम चल रहा था और ध्वजारोहण के बाद बच्चे प्रस्तुति दे रहे थे जिसे देखने आसपास के घरों के बच्चे भी आए थे। बच्चे मुख्य गेट पर बने छज्जे पर चढ़ गए जिसके चलते भार ज्यादा होने पर छज्जा भरभराकर गिर गया और मलबे में तीन बच्चे दक गए।

नादिया प्रशासन ने 'सर्किट हाउस' खाली करने का दिया आदेश: महुआ मोइत्रा

एजेंसी ►► कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस की नेता एवं सांसद महुआ मोइत्रा ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल के नादिया जिला प्रशासन ने उन्हें सरकारी 'सर्किट हाउस' में कमरा आवंटित किए जाने के बावजूद देर रात वहां से कमरा खाली करने का आदेश दे दिया।

संसद सत्र के बाद रात को ठहरने के लिए सर्किट हाउस पहुंचीं मोइत्रा ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने वहां से जाने से इनकार कर दिया तो शुक्रवार रात परिसर के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई और 'जय श्री राम' के नारे लगाने लगीं।

देर रात की गई कार्रवाई से नाराज



बोलीं-सुविधा का उपयोग करने की हकदार

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की करीबी मानी जाने वाली मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि एक निर्वाचित सांसद के रूप में वह इस सुविधा का उपयोग करने की हकदार हैं, लेकिन जिला अधिकारियों द्वारा उन्हें परेशान करने के इरादे से आधी रात को कमरा खाली करने का दबाव बनाया गया। मोइत्रा ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा, "मुझे जो कमरा दिया गया था, वह पूरी तरह तैयार था और मुझे यहां रात का खाना भी परोसा गया। मैं शाम करीब सवा छह बजे कमरे में आई और रात 10 बजे से जिला प्रशासन मुझे कमरा खाली करने के संदेश भेजने लगा।"

कर्नाटक की घटना, ग्रामीणों ने फर्जी बताया

वन कर्मियों के साथ मुठभेड़ में तीन शिकारी मारे गए

चामराजनगर (कर्नाटक)(भाषा) । कर्नाटक के चामराजनगर जिले के शाव्या रेंज के अंतर्गत दूदी वन क्षेत्र में वन कर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में तीन कथित शिकारियों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह घटना कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के घने जंगल क्षेत्र में हुई, जहां तीनों व्यक्ति कथित तौर पर जंगली जानवरों का शिकार कर उनका मांस अलग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वन विभाग के कर्मचारियों ने उन्हें हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर वन कर्मियों पर गोलीबारी शुरू की। इसके बाद वन कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीनों की मौत हो गई। मृतक



वन कार्यालय में तोड़फोड़ के बाद
बिखरा पड़ा सामान।

हनुर तालुक के थोमियारपल्ल्या गांव के निवासी बताए गए हैं। मुठभेड़ के बाद मृतकों के परिजनों ने हनुर तालुक स्थित शाव्या वन कार्यालय में कथित तौर पर तोड़फोड़ की। इस दौरान कार्यालय के फर्नीचर, उपकरण, एक मोटरसाइकिल और कार्यालय के बोर्ड को नुकसान पहुंचाया गया।

चिंतन

युवाओं की उम्मीदों को लगेंगे पंख

देश की युवा आबादी को विकास की सबसे बड़ी ताकत मानते हुए प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में युवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण ऐलान किए गए। एक साल में एक करोड़ युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रशिक्षण देने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था शुरू करने की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब रोजगार, कौशल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं की सबसे बड़ी जरूरतों में शामिल हैं। इन घोषणाओं में संभावना बहुत बड़ी है, लेकिन इनकी सफलता का पैमाना घोषणाओं की संख्या नहीं, बल्कि जमीन पर मिलने वाला अवसर होगा। एआई दुनिया की अर्थव्यवस्था और रोजगार के स्वरूप को तेजी से बदल रहा है। आने वाले समय में पारंपरिक नौकरियों के साथ नए तरह के रोजगार और उद्यम के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल से जोड़ने का लक्ष्य भारत को भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था में मजबूत स्थिति दिला सकता है। लेकिन प्रशिक्षण केवल प्रमाणपत्र बांटने तक सीमित नहीं होना चाहिए। युवाओं को वास्तविक परियोजनाओं, उद्योग की जरूरतों और रोजगार के अवसरों से जोड़ना होगा। प्रशिक्षण के बाद यदि युवा नौकरी या अपना उद्यम शुरू करने में सक्षम होते हैं, तभी इस पहल का वास्तविक प्रभाव दिखाई देगा। मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा भी सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आज कई परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है। ऑनलाइन मुफ्त कोचिंग व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ मार्गदर्शन को छोटे शहरों, कस्बों और गांवों तक पहुंचा सकती है। हालांकि इसके लिए डिजिटल सुविधाओं की उपलब्धता, अच्छे शिक्षकों की गुणवत्ता और नियमित मार्गदर्शन सुनिश्चित करना जरूरी होगा। युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप खुद को तैयार करना है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को डिग्री केंद्रित होने के बजाय कौशल केंद्रित बनाना होगा। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में युवा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। प्रधानमंत्री ने कार्य संस्कृति और सोच बदलने की बात कही है। इसका अर्थ युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार भी होना चाहिए। यदि देश को अगले कुछ दशकों में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना है तो युवाओं को रोजगार खोजने वालों से आगे बढ़कर रोजगार पैदा करने वालों में बदलना होगा। इसके लिए स्टार्टअप, छोटे उद्योग, नवाचार और स्वरोजगार के लिए आसान वित्त और बाजार उपलब्ध कराना होगा। बड़े सपने तभी पूरे होते हैं जब उन्हें मजबूत तैयारी और निरंतर मेहनत का आधार मिलता है। युवाओं के लिए घोषित योजनाएं भारत की भविष्य की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं। जरूरत इस बात की है कि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और परिणाम आधारित हो। भारत की युवा शक्ति के पास ऊर्जा भी है और प्रतिभा भी। उसे सही दिशा, सही कौशल और समान अवसर मिल जाएं तो विकसित भारत का सपना महज संकल्प नहीं रहेगा। सचमुच, युवाओं की उम्मीदों को लगेंगे पंख, और इन्हीं पंखों से भारत 2047 की नई ऊंचाइयों तक उड़ान भर सकेगा।

बलिदान निरंकार सिंह



बाबू जगत सिंह 1799 के विद्रोह के महानायक

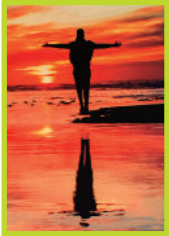
भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों और घटनाओं की एक शृंखला थी, जिसका अंतिम उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करना था। यद्यपि सन 1857 के विद्रोह को ‘स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम’ कहा जाता है, किन्तु भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन उससे भी बहुत पहले छिटपुट रूप से आरम्भ हो गया था। यह 1947 तक ही नहीं, बल्कि उसके बाद गोवा की मुक्ति तक चला। 16वीं शताब्दी में बाबर द्वारा स्थापित यह साम्राज्य उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्से पर शासन करता था। 1613 में मुगल बादशाह जहांगीर ने अंग्रेजों को गुजरात के सूरत में व्यापारिक चौकी स्थापित करने की अनुमति दी। यही भारत में अंग्रेजों के शुरुआती ठिकानों में से एक बना। इसके बाद ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में व्यापारिक चौकियां स्थापित कीं और धीरे-धीरे आर्थिक प्रभाव को राजनीतिक और सैन्य शक्ति में बदलना शुरू किया। 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य तेजी से कमजोर हुआ। 1757 की प्लासी की लड़ाई अंग्रेजी विस्तार का बड़ा मोड़ बनी। बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला अंग्रेजों की बढ़ती शक्ति से चिंतित थे। उनके सेनापति मीर जाफर के विश्वासघात ने अंग्रेजों को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद मीर जाफर को अंग्रेजों ने बंगाल का नवाब बना दिया। प्लासी की जीत ने ईस्ट इंडिया कंपनी को केवल व्यापारिक संस्था से सैन्य और राजनीतिक शक्ति में बदल दिया। 1764 के बक्सर युद्ध ने इस प्रभाव को और मजबूत किया तथा बंगाल, बिहार और उत्तर भारत में कंपनी की स्थिति लगातार मजबूत होती गई। लेकिन अंग्रेजी विस्तार के साथ प्रतिरोध भी शुरू हो गया था। 1799 में बनारस क्षेत्र में बाबू जगत सिंह और वजीर अली के नेतृत्व में हुआ प्रतिरोध इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। 13 जनवरी 1799 की शाम तक करीब 12,837 लोगों की भीड़ जुटाई गई। इतने कम समय में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना बताता है कि प्रतिरोध की तैयारी संगठित और योजनाबद्ध थी। लेकिन माधव दास बाग पर अंग्रेजी सेना के लिए हमला आसान नहीं था। एर्स्कन को लगातार और सुनियोजित गोलीबारी का सामना करना पड़ा। विद्रोहियों के संगठित दलों ने कई बार अंग्रेजी सैनिकों को नजदीक से चुनौती दी। अंग्रेजों को चार छह-पाउंडर तोपों और चार टर्मब्रल की आड़ में धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ा। इस संघर्ष में चार अंग्रेज अधिकारी कमांडर चेरी, कैप्टन कानवे, रॉबर्ट ग्राहम और रिचर्ड इवांस मारे गए। उनकी कब्रें वाराणसी के कैट क्षेत्र में मकबूल आलम रोड स्थित ईसाई कब्रिस्तान में आज भी देखी जा सकती हैं। हालांकि दोनों पक्षों में मारे गए कुल लोगों की प्रमाणिक संख्या उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि बड़ी संख्या में लोग मारे गए। अंग्रेजों की बेहतर तोपखाने की शक्ति और भारी गोला-बारूद विद्रोहियों पर भारी पड़े। बाबू जगत सिंह और वजीर अली की ओर से पर्याप्त तोपखाने का अभाव उनकी हार का प्रमुख कारण बना। इसके अतिरिक्त अंग्रेजों के पास बनारस के आसपास बड़ी सैन्य शक्ति भी मौजूद थी। विद्रोहियों ने अंग्रेजी सेना की प्रगति रोकने की योजना बनाई थी, लेकिन इसके लिए नियुक्त कुछ लोग समय पर अपने स्थान पर नहीं पहुंचे। इससे अंग्रेजी सेना को आगे बढ़ने का अवसर मिल गया। आखिरकार बाबू जगत सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। उनके साथ बहादुर सिंह, गजनग सिंह, बीजक सिंह, रामदयाल, शिवशरण सिंह, लाल सिंह, शिवदेव सिंह, मिर्जा अली, इमाम अली, मिर्जा बेग, हफीज़ुल्लाह, खैरउद्दीन बेग और मुराद चैन सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन पर मुकदमे चलाए गए और अलग-अलग सजाएं दी गईं। बाबू जगत सिंह पर बनारस की विशेष अदालत में मुकदमा चला और उन्हें मृत्युदंड सुनाया गया। बाद में निजाम अदालत ने इसे आजीवन दण्ड निकालों में बदल दिया। कलकत्ता काउंसिल ने भी इसकी पुष्टि की और उन्हें कलकत्ता भेजने का आदेश दिया। 31 अगस्त 1799 को कलकत्ता पहुंचने के बाद बाबू जगत सिंह को फोर्ट विलियम में कैद कर लिया गया। 18 अक्टूबर 1799 को उन्हें सेंट हेलेना भेजने का आदेश दिया गया। अंग्रेजों को जगत सिंह से इतना खतरा महसूस हुआ कि उन्हें भारत में रखना भी सुरक्षित नहीं समझा गया। 20 अक्टूबर 1799 को उन्हें सेंट हेलेना ले जाने वाले जहाज ओसरटली पर सवार करایा जा रहा था। इसी दौरान उनके निधन को लेकर अलग-अलग विवरण मिलते हैं। एक विवरण में जहर खाने की बात कही गई है, जबकि दूसरा मत है कि उन्होंने विदेश की भूमि पर जाने के बजाय अपने देश में ही प्राण त्यागने का संकल्प लेकर हुगली नदी में जल समाधि ली।

(लेखक हिन्दी विश्वकोश के पूर्व सहायक संपादक हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



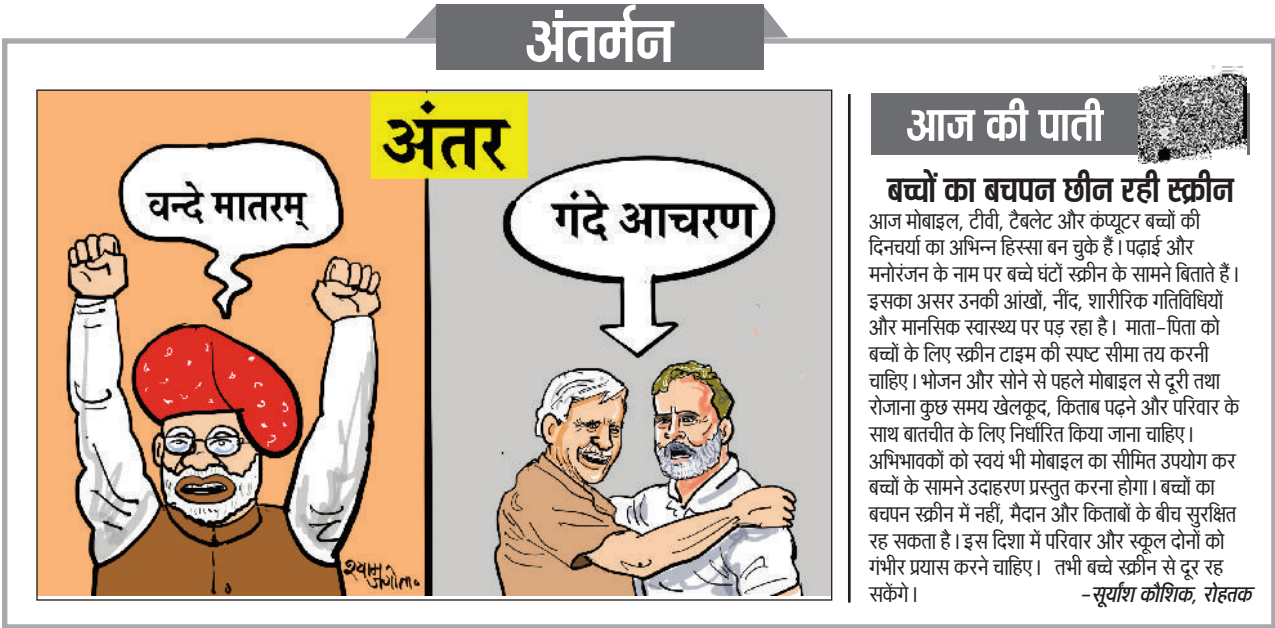
1947 का विभाजन केवल देश की सीमाओं का बंटवारा नहीं था, यह लाखों परिवारों के घर, जमीन, कारोबार और रिश्तों के उजड़ने की त्रासदी भी थी। पाकिस्तान से भारत आए पंजाबी शरणार्थी अपने साथ दर्दनाक यादें और संघर्ष की कहानियां लेकर आए। किसी ने उपजाऊ जमीन छोड़ी, किसी ने कारोबार और संपत्ति, तो किसी ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। यमुनानगर और आसपास बसे अनेक परिवारों ने शून्य से अपना जीवन दोबारा शुरू किया और मेहनत के बल पर नई पहचान बनाई। उनकी आंखों में आज भी उस दौर की पीड़ा ताजा है। विभाजन की ये व्यक्तिगत गाथाएं इतिहास के उन पन्नों को सामने लाती हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए याद रखना जरूरी है।

हमारी सोच बनाती है जीवन की तस्वीर



संकलित दर्शन

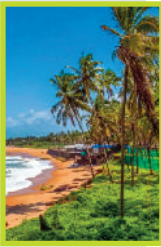
संसार अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। हम उसे जिस दृष्टि से देखते हैं, वही हमारे लिए उसकी तस्वीर बना देती है। एक ही परिस्थिति किसी के लिए परेशानी हो सकती है तो किसी दूसरे के लिए आगे बढ़ने का अवसर। आग स्वयं न शुभ है, न अशुभ। वही आग ठंड में राहत देती है और लापरवाही होने पर नुकसान पहुंचाती है। इसलिए जीवन की परिस्थितियों को कोसने के बजाय अपनी सोच और प्रतिक्रिया को समझना अधिक जरूरी है। यह भ्रम भी नहीं पालना चाहिए कि दुनिया हमारे सहारे चल रही है। प्रकृति की अपनी व्यवस्था है और जीवन अपनी गति से आगे बढ़ता रहता है। हमारे होने या न होने से संसार की गति रुकने वाली नहीं। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि हम अपने दायित्वों से मुंह मोड़ लें। मनुष्य होने का अर्थ ही है कि हम अपने सामर्थ्य के अनुसार दूसरों के काम आएँ। परोपकार करते समय सबसे जरूरी है कि उसमें अहंकार न आए। किसी जरूरतमंद की सहायता करके उस पर एहसान जताना सहायता की भावना को छोटा कर देता है। वास्तव में किसी के दुख में काम आ पाने का अवसर हमारे लिए ही सोभाग्य है। दूसरों की मदद करते हुए हम उनके जीवन में जितना बदलाव लाते हैं, उससे कहीं अधिक अपने भीतर संवेदना और मानवता को विकसित करते हैं। अंततः संसार हमारे उपकार का मोहतাজ नहीं, लेकिन दूसरों के लिए किया गया हर अच्छा कर्म हमारे व्यक्तित्व को जरूर समृद्ध करता है। यही जीवन को बेहतर बनाने का सबसे सरल रास्ता है।



करंट अफेयर

मानसून में छुट्टियां बिताने के लिए गोवा पसंदीदा गंतव्य

भारत में मानसून के दौरान तीन-चार दिन की छुट्टियों में घूमने के लिए गोवा लोगों का पहली पसंद बनकर उभरा है। राज्य के पर्यटन विभाग के अनुसार, मानसून में यात्रा के लिए घरेलू स्तर पर जानकारी हासिल करने की गतिविधियों यानी 'सच' में सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने कहा कि एयरबीएनबी के 'सच' आंकड़े यात्रा की पसंद में बदलाव का संकेत देते हैं। भारतीय मानसून के दौरान अचानक बनाए गए सप्ताहांत के कार्यक्रम और तीन से पांच दिन की छोटी छुट्टियों को काफी पसंद कर रहे हैं। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खट्टे ने कहा कि यह रुझान इस बात की पुष्टि करता है कि गोवा की पहचान केवल समुद्र तट वाले गंतव्य के रूप में नहीं है। उन्होंने कहा, "मानसून के दौरान राज्य हरे-भरे जंगलों, झरनों, आध्यात्मिक अनुभवों और स्थानीय त्योहारों के जीवंत स्वरूप में बदल जाता है।" पर्यटन विभाग ने कहा कि एयरबीएनबी के आंकड़ों के अनुसार, महानगरों से इतर गंतव्यों के लिए 'सच' में भी 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह लोगों की प्रकृति, संस्कृति और अनूठे अनुभवों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है। एयरबीएनबी विभिन्न देशों और क्षेत्रों में अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक 'होमस्टे' की सेवा सुझैया कराने वाला ऑनलाइन मंच है।



की मीडि को पाकिस्तान में आते या वहां से भागते देखा, तो उन्होंने निराशा में अपना हाथ माथे पर मारा और कहा: 'मेने क्या कर दिया?' इफ्तिखार और मजहर, दोनों ने ही उस टिप्पणी का किसी से जिक्र न करने का संकल्प लिया। हालांकि, बाद में मजहर ने अपनी पत्नी ताहिरा को मरोसे में लिया और बताया कि जिन्ना ने क्या कहा था। उन्होंने, अपने पति के गुजरने के काफ़ी समय बाद, जिन्ना की बात नेयर को बताई। यह टिप्पणी तब आई जब बंटवारे के साथ हुई मानवीय त्रासदी का दायरा साफ़ तौर पर दिखने लगा था।

पाकिस्तान से यहां बसे शरणार्थी, खासकर पंजाबी लोग, बंटवारे के दर्द को आज तक नहीं भूले हैं। जब कोई नाना-नानी, दादा-दादी अपनी भावी पीढ़ी को उनके साथ हुई लूटमार, जुल्म-शोषण की दास्तान सुनाते, तो उनकी आंखों में आंसू आ जाते। किसी ने अपना कोई सगा खो दिया था। कोई जान बचाने की खातिर धर्म परिवर्तन कर लिया या शादी कर ली। बातचीत करने पर किसी व्यक्ति को वहां के पंजाब की अपनी उपजाऊ जमीनों पर गर्व था तो कोई अपने पशुधन की गिनती बताता है। किसी को अपनी साइकिल रह जाने, तो किसी को अपना अच्छी नस्ल का घोड़ा खोने का भी दुख था। किसी को अपनी खूब चलती ड्राई-फ्रूट की दुकान, कोई आटा-चक्की, कोई माल से भरी दुकानों, किसी को अनाज मंडी में आदृत की दुकान, तो कोई रूई की बड़ी फैक्ट्री और माल से भरे गोदाम खोने का दुख था। ऐसी बातें सुनने को मिलाई।अधिकांश लोग प्रेमपूर्वक संयुक्त परिवार में रहना पसंद करते थे। इकट्ठा ही व्यापार करते थे। बुजुर्गों के नाम पर अपनी फर्म खोलते थे। यहां काफी देर बाद यदि किसी को कृषि योग्य जमीन सरकार से मिली तो अक्सर बुजुर्ग कहते थे- 'रवहां जमीनं यदि एक रुपये वाली थी तो यहां उन्हें चवन्नी वाली से गुजारा करना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने अपनी मेहनत से उन्हें हरा-भरा कर दिया।उस समय कई लोग वापस जाने की आस से बॉर्डर के शहरों में बस गए। कई लोग करनाल के पास जीटी रोड पर बसे। तब हरियाणा-पंजाब भी संयुक्त पंजाब ही होता था। पाकिस्तान में कई लोग मुसलमान पड़ोसियों के सहारे अपना घर देखभाल के लिए छोड़कर आए। कईयों को रास्ते में मारकर सोना-चांदी लूट लिया गया। कई बहू-बेटियों की अस्मत् लूटी गई। कई स्थानों पर रेलगाड़ियां रोककर लाचार सवारियों का, मुख्यतः मुसलमानों द्वारा, कत्लेआम किया गया। कई जगह लोगों को लाशों के ढेर से गुजरना पड़ा। ऐसा इतिहासकार बताते हैं।यह विभाजन विभीषिका 1947 की घटना पूरे विश्व को हैरान कर देने वाली है। जब हिंदू-मुस्लिम, सिख के सैकड़ों साल के लंबे संघर्ष के बाद मिलकर आजादी प्राप्त की, परंतु बाद में बंटवारा धर्म की आड़ में राजनेताओं ने कर दिया, ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। इससे आपसी सौहार्द भी खत्म हो गया। जिसमें हिंदुओं को अपनी जगह, घर-बार छोड़ना पड़ा और धन के लालच में पलायन भी खून-खराबे के बीच हुआ, जिसमें लाखों बेगुनाह धर्म की आड़ में मारे गए। यूँ पड़ोसी ने पड़ोसी को धोखा दिया। बहू-बेटियों की इज्जत लूटी गई। ईंसानियत शर्मसार हुई, जो अब तक नफरत की आग में कई बार युद्ध का रूप लेती रही है। अब भी दोनों पक्ष बदले की भावना से युद्ध

में शामिल होते हैं। सर्वे बताता है कि हरियाणा के यमुनानगर में काफी पंजाबी परिवार रहते हैं। ज्यादातर लोग पाकिस्तान के सरगोधा जिले के हैं। जब पंजाब में जमीनं अलॉट करने के लिए नहीं बची थीं तो संयुक्त पंजाब में अब्दुलापुर में सरकार ने जमीनं दीं। पंजाबियों ने यहां अपनी अथक परिश्रम से हरी-भरी उपजाऊ भूमि बना दी, जो बाद में यमुनानगर कहलाया। पंजाबियों ने अपनी मेहनत से हर क्षेत्र में तरक्की की व देश-विदेश में नाम कमाया। मुझे यहां सिल्लावाली-फरूका से आए संयुक्त परिवार, जो लाला हरनाम दास, मैसजं मोती राम लढ़ा राम फर्म से ताल्लुक रखता था, के बारे में जानने का



अवसर मिला। अब बच्चे-बच्चे संग अलग-अलग घर में रह रहे थे। यह सब बुजुर्ग मिनोचा परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके घरों में जाकर पूछकर तथ्य इकट्ठे करने की कोशिश लेखक ने की है। कृष्ण लाल ने बताया- तब मैं नौवीं कक्षा में पढ़ता था, जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान बना। उस समय स्कूल में छुट्टियां थीं। हम सपरिवार हरिद्वार, ऋषिकेश अपनी माता, बहन व अन्य सदस्यों के साथ आए थे। फरूके में हमारी अंदाजन 250 क्रिाने जमीन संयुक्त परिवार की थीं। हमारे पिता लाला हरनाम दास, जो सरपंच के रूप में भी जाने जाते थे, ने पाकिस्तान के फरूका रेलवे स्टेशन के पास कॉटन मिल की स्थापना की थी। जिसमें तब 150 के करीब मुसलमान कर्मचारी काम करते थे। नौकरी पर मामा जी को भी साथ रखा था। कर्मचारियों को घर में चलने वाले लंगर में उन्हें भी बुलाया जाता था। घर में रूठे गाय-भैंसें रखी थीं। दूध कभी बेचते नहीं थे। दूध कोई भी चाहे निकालकर ले जा सकता था। पढ़ाई का पढ़ाई के बारे उन्होंने बताया कि मेरी उर्दू की लिखाई अच्छी थी। मैं अपने मास्टर जी की इज्जत करता था। उनके घर कभी-कभार पन्ने देने भी चला जाता था। उस समय जिले में किसी-किसी के पास साइकिल होती

थी तो वह अमीर समझा जाता था। मेरे पास उस समय रैलीज की साइकिल थी। हमारे पिता ने बड़े भाई लाला लाजपत राय को अनाज की दुकान खोल दी थी। पाकिस्तान में लुथड़ा परिवार में उनकी शादी भी कर दी थी। उस समय दोहरी रिश्तेदारी होती थी।रश्री लाजपत राय की पत्नी श्रीमती कृष्णा ने बताया- विभाजन के समय हमारे गोदाम गेहूं से भरे पड़े थे। ससुर की रूई की मिल थी। कई कच्ची रूई के गोदाम थे। यदि घर खोजें तो कहीं न कहीं पैसे ढूंढने से मिल जाएं। मेरे फिर जाने पर कृष्ण लाल ने बताया, जब पाकिस्तान बना तो पिता जी ने हवाई जहाज से दोनों को हिंदुस्तान भेज दिया था। हमारे पिता लाला हरनाम दास व उनके तीन भाई अपने परिवारों को गुरुओं के यहां हरिद्वार छोड़ने गए। फिर दोबारा पाकिस्तान फैक्टरी और जमीनों की दो थुपों में रखवाली के लिए गए। उनमें अपने इलाके में जाते किसी किस्म का भय नहीं था, जैसे सभी अपने हैं। लाला हरनाम दास की पत्नी केसरा बाई पुलिस सुरक्षा में संस्कार करने हरिद्वार गई थीं और हरिद्वार में सबको पता चला। बाद में हमारे बड़े जीजा द्वारका दास बत्तरा काम के सिलसिले में पंजाब होशियारपुर चले गए। फिर हम भी सभी वहां चले गए। वहां सात साल रहे। मेरा विवाह भी वहीं हुआ, जिसके लिए बारात अंबाला कैट गई थी। मेरा होशियारपुर जीजा के साथ चीनी का डिपो था। बाद में जमीनं यमुनानगर में अंडोली गांव अलॉट हुई। यहां नहीं हुई। सभी भाइयों ने आपस में जमीनं बांटकर रहने लगे। वहीं घर बनाए व दुकानें कीं। फरूका से आए पंडित खेम चंद खेमा से मिलाय़ा गया, जो पाकिस्तान में मिनोचा परिवार के पंडित थे व यमुनानगर बसकर दो बड़े भाइयों के घर रोटी लेने जाते रहे हैं। पंडित खेमा ने बताया- वहां छोटी टाइलों से बना इस परिवार का मजबूत घर तीन मंजिला था। बहुधा सम्पन्न परिवारों ने अपने आश्रितों के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं मांगी। जो हाथ देने वाले हों, वो लेने वाले नहीं हो सकते।देश की आजादी में इनका भी सक्रिय रोल रहा है, पर कोई स्वतंत्रता सेनानी पेशन नहीं मांगी, जैसे कि कईयों को मिलती है। आने वाली पीढ़ी को इनकी दुख भरी गाथा सुनकर सीख लेनी चाहिए। चाहे यहां आकर पंजाबियों ने अपनी मेहनत के बलबूते अपने को फिर से स्थापित कर लिया है। वे विश्व के हर कोने में पहुंच गए हैं। परंतु दिल पर कहीं न कहीं चोट है। वे 1947 की इस त्रासदी को नहीं भूल पाए हैं।निरस्सेद्वे विश्व की ऐसी घटना थी, जो आजादी प्राप्त होने के बाद भी स्थान परिवर्तन की कहीं नहीं घटी। जो सोचने को मजबूर करती है।

(लेखक स्वतंत्र संपादक हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अप्रती प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विनम्रता ही सबसे बड़ी ताकत है

एक बार दांत और जीभ के बीच बहस छिड़ गई। दांत अपनी चमक और मजबूती पर इतराते हुए जीभ से बोले, “तुम तो बस मांस का एक टुकड़ा हो। न तुम्हारा कोई खास रूप है, न रंग और न ही हमारी तरह चमका देखो, हम कितने सुंदर और मजबूत हैं।”जीभ ने दांतों की बात का कोई जवाब नहीं दिया। वह शांत रही। समय बीतता गया। दिन महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। उम्र बढ़ने लगी तो एक-एक करके दांत कमजोर होते गए और गिरने लगे। इसके विपरीत जीभ पहले की तरह अपना काम करती रही।जाब कुछ आखिरी दांत भी गिरने की स्थिति में पहुंचे तो जीभ ने मुस्कुराकर कहा, “भाइयो, बहुत समय पहले आपने मुझसे अपने रूप और मजबूती को लेकर कुछ कहा था। आज समय ने ही उसका जवाब दे दिया। मैं तुमसे पहले इस शरीर में आई थी और अब उम्र में भी तुमसे बड़ी हूं। फिर भी तुम एक-एक करके मुझसे पहले विदा हो रहे हो।”दांतों को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने विनम्र होकर कहा, “अब समझ में आया कि केवल मजबूत होना ही पर्याप्त नहीं। कठोरता ने हमें कमजोर कर दिया, जबकि तुम्हारी कोमलता ने तुम्हें लंबे समय तक टिकाए रखा।”यह छोटी-सी कहानी जीवन का बड़ा सत्य सिखाती है। कठोरता अक्सर टकराव पैदा करती है, जबकि विनम्रता रिश्तों को बचाती है। सामने वाला उम्र, पद या क्षमता में छोटा हो या बड़ा, सम्मान हर व्यक्ति का अधिकार है।सच्ची ताकत दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि विनम्र रहकर सबका दिल जीतने में है।



युवाओं को सही दिशा दें

युवा देश के लिए 'डेगोमॉर्फिक डिवाइड' है। अगर उन्हें सही दिशा दी जाए तो देश को फायदा होगा, ऐसा नहीं हुआ तो गंभीर से ख़ामान् पत्र बीड़ा बँडेगा। युवाओं को गंभीर की पीढ़ियों की जरूरतों का भी ध्यान रखना चाहिए।-मोहन भागवत, आरएएस प्रमुख

राष्ट्र निर्माण में लगाएं प्रतिभा

मैं युवा मित्रों से कहना चाहती हू-अपनी ताकत को सोशल मीडिया तक सीमित मत रहिए। अपने विचारों के अवसर उपलब्ध करने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारी औद्योगिक नीति राज्य ने अधिकतर रोजगार पैदा करने पर केंद्रित है। इससे युवाओं को रोजगार मिलने और विचार का विकास होगा। -समाट चौधरी, सीएन बिहार

एक करोड़ नौकरी देंगे

हमारी सरकार ने 2030 तक राज्य के लोगों को एक करोड़ सरकारी नौकरियां और रोजगार के अवसर उपलब्ध करने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारी औद्योगिक नीति राज्य ने अधिकतर रोजगार पैदा करने पर केंद्रित है। इससे युवाओं को रोजगार मिलने और विचार का विकास होगा। -समाट चौधरी, सीएन बिहार

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल - haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट - www.haribhoomi.com

विचार हरिभूमि 6

खबर संक्षेप



ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लड़खड़ाई, बांग्लादेश जीत के करीब

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज फिर से नाकाम रहे जिससे बांग्लादेश शनिवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन ऐतिहासिक जीत के करीब पहुंच गया। पहली पारी में केवल 198 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 161 रन बनाए थे और वह अब भी बांग्लादेश से 67 रन पीछे है। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 426 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया का दारोमदार अब कैमरन ग्रीन (नाबाद 43) और एलेक्स कैरी (नाबाद 19) पर टिका है। ऑस्ट्रेलिया को अगर हार से बचना है तो उसे दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना होगा जो अभी नामुमकिन लग रहा है।



सान्या वत्स बेडिगो स्वर्णश सेमीफाइनल में हारी

बेडिगो (ऑस्ट्रेलिया)। भारत की सान्या वत्स शनिवार को 3000 अमेरिकी डॉलर पुरस्कार राशि के पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट बेडिगो ओपन स्वर्णश के महिला सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रेचल ग्रिनहम से पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हार गई। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को ग्रिनहम से 6-11, 11-8, 9-11, 11-8, 7-11 से हार मिली। सान्या ने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त जो टैनर को 11-3, 11-1, 11-2 से हराया था।



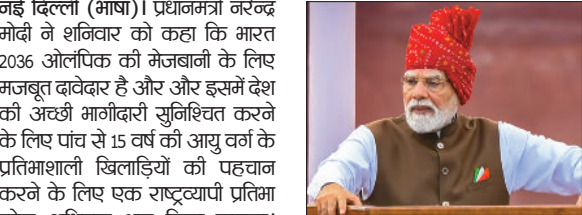
इंग्लैंड सीरीज से पहले बाबर के हाथ में लगी चोट

इंग्लैंड। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज शुरू होने से चार दिन पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के हाथ में चोट लगी। प्रोफेशनल काउंट्री क्लब सेलेक्ट XI के खिलाफ वार्म-अप मैच में बल्लेबाजी के दौरान इंग्लैंड अंडर-19 के तेज गेंदबाज मैनी लम्सडेन की उछलती गेंद उनके दाएं हाथ के बॉटम हैंड पर लगी। बाबर 5 रन पर थे। चोट के बाद वे दर्द में दिखे और आगे बल्लेबाजी नहीं की। टीम डॉक्टर के आकलन के बाद पीसीबी ने उन्हें एहतियातन मैच से आराम दिया है।

हॉकी टीम की हौसलाअफजाई के लिए जुटे भारतीय प्रशंसक

एक्सटेलवीन (भाषा)। हाथ में तिरंगा, चेहरे पर तिरंगे के रंग और भारतीय टीम की जर्सी, यह नजारा भुवनेश्वर या रांची का नहीं बल्कि एक्सटर्डम सेंट्रल से करीब 15 किमी दूर एक्सटेलवीन स्थित वेगनर स्टेडियम का है जहां स्वतंत्रता दिवस पर अच्छी संख्या में भारतीय प्रशंसक सापरिवार विश्व कप में हॉकी टीम की हौसलाअफजाई के लिये पहुंचे हैं। नौदरलैंड में 2014 के बाद पहली बार विश्व कप हो रहा है और पिछले दो ओलिंपिक में भारतीय टीम को मिले कांस्य पदक के बाद यहां बसे भारतीय समुदाय को टीम से काफ़ी उम्मीदें हैं ।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का मजबूत दावेदार प्रतिभा खोज अभियान से अधिक भागीदारी तय होगी: मोदी



शीतकालीन खेल हो या फिर खेल प्रशिक्षण, खेल विक्रिसा, खेल पोषण, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।" मोदी ने कहा, "भारत का प्रदर्शन लगातार सुधर रहा है और हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करने के प्रबल दावेदार हैं। हम 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कर रहे हैं। ओलंपिक में लगभग 40 खेल होते हैं, जिनमें लगभग 350 स्पर्धाएं शामिल हैं। यह दुख की बात है कि हम इनमें से कम से कम दो तिहाई स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते क्योंकि हम क्वालीफाई ही नहीं कर पाते।"

प्रतियोगिताओं में तीन चौथाई खिलाड़ी भाग लेंगे

मोदी ने कहा, "हमने तय किया है कि 2036 तक हम कम से कम तीन चौथाई प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। हम देश के हर कोने में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने के लिए पांच से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।" भारत ने 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावा पेश किया है। इसकी घोषणा 2029 में होने की संभावना है। 2036 के ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं की खोज शुरू करने की योजना पर विचार-विमर्श चल रहा है, ताकि देश जलीय खेलों जैसे तैराकी तथा साइकिलिंग जैसे खेलों में अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

टेस्ट : देवदत्त और केएल ने दूसरे विकेट के लिए अब तक 150 रनों की साझेदारी की

पडिक्कल-राहुल के नाबाद अर्धशतकों से भारत ने चाय तक 197 रन बनाए

भाषा▶▶ गॉल

देवदत्त पडिक्कल और लोकेश राहुल ने क्रमशः नाबाद 84 और 77 रन की बेहतरीन पारियां खेलकर भारत को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के शुरुआती दिन शनिवार को चायकाल तक एक विकेट पर 197 रन की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए अब तक 150 रनों की अटूट साझेदारी कर भारत का दबदबा कायम किया।

राहुल ने 162 गेंदों की अपनी पारी में बेहद धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का परिचय दिया, जबकि 122 गेंदों पर खेली गई पडिक्कल की पारी में आकर्षक शॉट्स के साथ आक्रामकता का शानदार मिश्रण देखने को मिला। गॉल की पिच उम्मीद के मुताबिक अब तक बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रही। गेंद में अच्छा उछाल और पर्याप्त गति थी। प्रभात जयसूर्या, पदार्पण कर रहे ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और धनंजय डी सिल्वा को कुछ मौकों पर उछाल और टर्न मिला लेकिन उनकी गेंदों की रफ्तार इतनी धीमी थी कि भारतीय बल्लेबाजों को ख़ास परेशानी नहीं हुई। भारत के लिए चिंता का एकमात्र क्षण तब आया जब नुवांथा की गेंद पर राहुल के बल्ले का किनारा लगा लेकिन गेंद शॉर्ट लेग पर तैनात क्षेत्ररक्षक



की डाइव से मामूली अंतर से दूर निकल गई। इस मौके के अलावा दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने श्रीलंका के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह दबाव में रखा। राहुल ने 127 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। सपाट और बल्लेबाजी के लिए आसान पिच होने के बावजूद उन्होंने बेहद संयमित अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखी और अपने आक्रामक शॉट्स की झलक बहुत कम दिखाई। वह शुरुआत में तेज गेंदबाज लोहिरू कुमारा के खिलाफ थोड़ा असहज नजर आए। उनकी गेंद पर राहुल का बल्ला चूका और एक किनारा भी लगा लेकिन गेंद गली के क्षेत्ररक्षक

सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : विलियम्स का हार का सिलसिला 13 मैच तक पहुंचा

मेसन (अमेरिका)। वीनस विलियम्स का वापसी के बाद एकल मुकाबलों में हार का सिलसिला 13 मैचों तक पहुंच गया है। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को शुक्रवार को सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पहले दौर में एमिलियाना अरेंगो ने 6-2, 6-2 से हरा दिया। 46 वर्षीय वीनस को इस डबल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड से प्रवेश मिला था। उन्होंने जुलाई 2025 के बाद से कोई भी एकल मैच नहीं जीता है। कोलंबिया की 25 वर्षीय क्वालीफायर अरेंगो ने लंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर वीनस को हराने में 65 मिनट का समय लिया।



बारिश ने मैच में डाला खलल



को उसी दिशा में चौके के लिए बाउंड्री के पार पहुंचा दिया। बारिश और मैदान गीला होने के कारण राहुल और पडिक्कल को दूसरे सत्र में दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरने के लिए एक घंटे 20 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। लेकिन जैसे ही धूप खिली और मैदान खेलने लायक हुआ, दोनों बल्लेबाजों को रोकना श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए मुश्किल साबित हुआ। पडिक्कल नुवांथा की गेंद पर पहली स्लिप में कैच होते-होते बचे। इस खतरे ने उनके इरादों को और मजबूत कर दिया। अगली ही मौकों में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाज के खिलाफ कवर के बीच से करारा चौका

भारत की तरह पाक हॉकी ने अपने घरेलू ढांचे पर काम नहीं किया : सलमान

एक्सटेलवीन (भाषा)। विश्व कप की सबसे कामयाब टीम रही चार बार की चैंपियन पाकिस्तान में हॉकी के निरते स्तर के लिये घरेलू ढांचे के अभाव को कसूरवार ठहराते हुए पूर्व कप्तान और दो बार के ओलंपियन सलमान अकबर ने कहा कि भारतीय हॉकी बीजिंग ओलंपिक 2008 के झटके के बाद समय रहते चेत गई और नतीजा लगातार दो ओलंपिक पदक के रूप में मिला । पाकिस्तान के लिये 230 मैच , 2004 और 2008 ओलंपिक खेल चुके दिग्गज गोलकीपर सलमान ने यहां भाषा को दिये खास इंटरव्यू में पाकिस्तान हॉकी के पतन के कारणों के बारे में पूछने पर कहा, "यूं तो कई कारण हैं लेकिन सबसे बड़ा कारण है कि पाकिस्तान ने कभी भी अपनी हॉकी के घरेलू ढांचे को मजबूत करने की कोशिश नहीं की।

हादसे ने रोका रास्ता, हौसले ने फिर खड़ा किया

लक्ष्मी के खेल करियर में सबसे कठिन दौर उस समय आया, जब स्कूल के दिनों में एक सड़क हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी के L-1 और L-2 हिस्से में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। चोट इतनी गंभीर थी कि कुछ समय के लिए सामान्य गतिविधियां भी मुश्किल हो गई थीं। ऐसे में खेल के मैदान पर वापसी करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। लंबे इलाज के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानों के साथ मानसिक संघर्ष से भी गुजरना पड़ा। लेकिन उन्होंने खेल में लौटने का लक्ष्य नहीं छोड़ा। चिकित्सकीय उपचार के साथ योग और जिम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। धीरे-धीरे शरीर को मजबूत किया और फिटनेस पर काम करते हुए दोबारा नेटबॉल कोर्ट पर वापसी की। इसके बाद उन्होंने अग्यास की रफ्तार बढ़ाई और प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन से पहचान बनाई।

भाई ने बढ़ाया हौसला, दिखाया खेल का रास्ता

लक्ष्मी की सफलता में उनके बड़े भाई स्वराज सिंह की भूमिका भी अहम रही। स्वराज सिंह उध जिला शिक्षा अधिकारी हैं। उन्होंने बचपन में लक्ष्मी की लंबाई और स्थलेटिक क्षमता को देखते हुए उन्हें नेटबॉल खेलने के लिए प्रेरित किया था। हादसे के बाद जब लक्ष्मी के लिए नवदान पर लौटना मुश्किल लग रहा था, तब भी भाई ने उनका हौसला बनाए रखा। उन्होंने लक्ष्मी को लगातार अभ्यास और फिटनेस पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। परिवार के सहयोग और अपने दृढ़ संकल्प के सहारे लक्ष्मी ने चोट की बाधा को पीछे छोड़ते हुए खेल में वापसी की।

दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व

लक्ष्मी के लिए यह पहला अंतरराष्ट्रीय अनुभव नहीं है। वह इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्होंने भारतीय टीम में अपनी जगह मजबूत की। अब एशियन नेटबॉल चैंपियनशिप में उपकप्तान की जिम्मेदारी मिलना उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

बेटियों के लिए बनीं मिसाल

लक्ष्मी की कहानी केवल एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि संघर्ष और आत्मविश्वास की मिसाल है। गंभीर चोट के बाद खेल में वापसी कर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना उनकी मजबूत इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उनका मानना है कि बेटियों को परिवार का सहयोग और आगे बढ़ने का अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं। लक्ष्मी की उपलब्धि बहूबुलु ही नहीं, पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है। रीढ़ की गंभीर चोट से उबरकर उपकप्तान तक का सफर यह संदेश देता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मजबूत इरादे, सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।



अंडर-20 ग्रीको-रोमन कुश्ती टीम विश्व चैंपियनशिप के लिए रवाना हुई टीम इंडिया

रोहतक। भारतीय अंडर-20 ग्रीको-रोमन कुश्ती टीम ब्रातिस्लावा, स्लोवाकिया के लिए आधिकारिक रूप से रवाना हो गई है। यह युवा और प्रतिभावान दल 16 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। वैश्विक स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए तैयार इन युवा पहलवानों से पूरे देश को पदक की उम्मीदें हैं। इस अवसर पर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष

संजय सिंह ने टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के युवा पहलवान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि हमारे ये युवा ग्रैपलर्स स्लोवाकिया में देश का मान बढ़ाएंगे तथा वैश्विक मंच पर तिरंगा फहराकर इतिहास रचेंगे। कड़ी मेहनत और पक्के इरादे के साथ मैदान में उतरने वाले हमारे इन सभी युवा खिलाड़ियों को इस महामुकाबले के लिए अपार शक्ति, अटूट आत्मविश्वास और शानदार सफलता की ढेरों शुभकामनाएं।

भारतीय महिला हॉकी टीम

चीन की चुनौती से पार पाने के लिए भारत को गलतियों से बचना होगा

एक्सटेलवीन (भाषा)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच विश्व कप के अपने पहले ही मैच में रविवार को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा और कठिन पूल में कोई भी कोताही बरतने से कोच शोर्ड मारिन की टीम बचाना चाहेगी। विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत को पूल डी में दूसरी रैंकिंग वाली चीन के अलावा इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। नये प्रारूप में खेले जा रहे इस विश्व कप में हर मैच महत्वपूर्ण है और टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत मनेबल बढ़ाने के लिये भी जरूरी है। यूरोपीय हालात में खुद को दालने के लिये काफी पहले यहां पहुंची भारतीय टीम ने भीषण गर्मी के बीच वेगनर स्टेडियम पर कड़े अभ्यास सत्रों में हिस्सा लिया है और नौदरलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेले।



प्रज्ञाननंदा ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटे

सेंट लुई (अमेरिका) (भाषा)। भारतीय वैंड मास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने वैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के पांचवें दौर में अमेरिका के वेस्ली सो के साथ बाजी झों खेली। प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए यह बाजी झों कराई। 10 खिलाड़ियों के बीच खेली जा रही इस प्रतियोगिता में उनके पांच मैच में अब तीन अंक हो गए हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। वेस्ली ने 3.5 अंकों के साथ बढ़त बना रखी है। इस बीच अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विसेंट कीमर ने अपने सफेद मोहरों के साथ सबसे महत्वपूर्ण समय पर जीत हासिल की। कारुआना ने पांचवें दौर में अर्मेनियाई मूल के अमेरिकी खिलाड़ी लेविन अरोगियन को, जबकि विसेंट ने खराब फॉर्म में चल रहे अनीश गिरी को हराया। इस तरह से अब प्रज्ञाननंदा, कीमर, कारुआना और मैक्सिम वादियर-लावेच तीन-तीन अंक लेकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।



भारतीय व्यापार महोत्सव में खेल प्रतिभाओं को मिला सम्मान, कोच विजय हुड्डा भी सम्मानित

खिलाड़ियों ने देश के लिए बेहतर प्रदर्शन का लिया संकल्प

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। दिल्ली में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव में खेल जगत की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। समारोह में जाने-माने बॉक्सिंग कोच विजय हुड्डा के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी बॉक्सर मीनाक्षी, शिक्षा नरवाल और भारती को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेड्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं मैथन एलॉय लिमिटेड के सीएमडी सुभाष चंदर अगरवाला ने खिलाड़ियों और कोच को मंच पर आमंत्रित कर

मीनाक्षी, शिक्षा व भारती सम्मानित बॉक्सिंग में बढ़ाया देश का मान

सम्मान प्रदान किया। समारोह में खेलों के क्षेत्र में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के योगदान की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि देश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें सही मंच, संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की है। भारतीय व्यापार महोत्सव जैसे आयोजनों में खेल जगत की प्रतिभाओं को सम्मान मिलना युवाओं के लिए प्रेरणादायक संदेश है। इससे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में और सुधार करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।



सम्मान को बताया खिलाड़ियों के लिए गर्व का क्षण

सम्मान समारोह के बाद कोच विजय हुड्डा ने इसे अपने और खिलाड़ियों के लिए गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों को इस तरह पहचान मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने सुभाष चंदर अगरवाला का आभार जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों और खेलों के प्रति उनका सहयोग एवं प्रोत्साहन युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगा। विजय हुड्डा ने कहा कि खेल में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण जरूरी है। खिलाड़ियों को मिलने वाला सम्मान उन्हें अपनी कमियों पर काम करने और मतिषय की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

खेलों के साथ कारोबार जगत की भागीदारी जरूरी

समारोह में खेल और व्यापार जगत के बीच सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया गया। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सरकारी संस्थानों के साथ निजी क्षेत्र और कारोबारी संगठनों की भूमिका भी अहम है। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी, बेहतर सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों के लिए सहयोग मिलने से उनकी प्रतिभा को निखारने में मदद मिलती है। खेल विशेषज्ञों के अनुसार, बॉक्सिंग जैसे खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक प्रशिक्षण और संसाधनों की जरूरत होती है। इसे में कॉर्पोरेट और व्यापारिक क्षेत्र की ओर से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलने से खेल संस्कृति को मजबूत किया जा सकता है। इससे जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण ले रहे युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मरोसा मिलता है।

दुनियाभर में मना भारत की आजादी का जश्न

80वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रमुख साझेदार देशों ने शुभकामना संदेश भेजे

भारतीय दूतावासों और सामुदायिक केंद्रों पर गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

15 अगस्त 2026 को भारत ने अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया, जिसे देश के साथ-साथ दुनियाभर में बसे भारतीय समुदाय ने आजादी का पर्व उमंग और उत्साह के साथ मनाया। भारतीय दूतावासों और सामुदायिक केंद्रों पर भी गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस मौके पर दुनियाभर के तमाम नेताओं ने आजादी की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की "अद्भुत जनता" को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भेजीं। अमेरिका, सिंगापुर, इजराइल और रूस जैसे

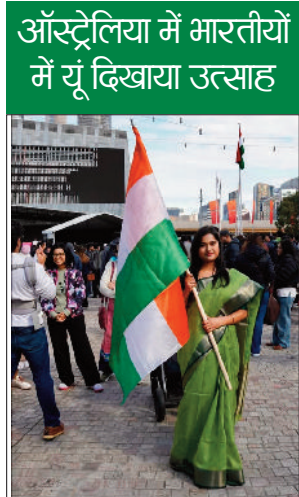


बांग्लादेश में भारत के हाई कमिशन में तिरंगा फहराया
बांग्लादेश स्थित भारत के हाई कमिशन में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया गया। उच्चायोग ने एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में भारतीय खुब होते ही हमारे तटों पर तिरंगा लहरता है। सूर्यपथ तिरंगा के इस ऐतिहासिक सफर को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब भारत-भूटान की है। एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक भारतीय तिरंगे को आगे ले जाए और भारतीयों को हर घर तिरंगा का जोश फैलाने के लिए प्रेरित करें।

प्रमुख देशों ने भारत को स्वतंत्रता दिवस की सौहार्दपूर्ण शुभकामनाएं भेजीं। विदेशों में रह रहे भारतीयों ने



रूस का बधाई संदेश: जय रूस-हिंदी की दोस्ती
भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने एक्स पर हिंदी में पोस्ट कर भारत को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि प्रिय मित्रों, स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं। भारत के तय हो चुके विकास-मार्ग पर नजर डालकर शक नहीं रहता कि आपके सारे सपने पूरे हो जाएंगे। प्रगति की राह पर चलते हुए आप अश्वस्त रहें कि रूस का साथ जैसे 100 साल पहले था, वैसे ही वह आज भी है और कल भी रहेगा। जय हिंद, जय रूस-हिंद की दोस्ती।



ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों में यूं दिखाया उत्साह
अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंधों के कारण भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हुए हैं। भारत में इजरायली राजदूत स्वेन अजार ने एक्स पर पोस्ट कर भारत को स्वतंत्रता दिवस की बधाइयां दीं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर बधाई दी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने प्रधानमंत्री मोदी और भारत की "मित्रवत जनता" को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सिंगापुर के राष्ट्रपति थरमन शनमुगरत्नम ने राष्ट्रपति मुर्मू को लिखे पत्र में जनता को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।



नितिन नवीन ने भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और देशवासियों से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता भी समारोह में शामिल हुए। ध्वजारोहण से पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' गाया गया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। नितिन नवीन ने कहा, "80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों, अपने परिवारजनों और यहां उपस्थित भाजपा परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ।"

स्वतंत्रता दिवस के निमंत्रण पत्रों पर सेवा तीर्थ भवन, धर्म चक्र की झलक

भाषा ►► नई दिल्ली

लाल किले पर शनिवार को आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए जारी निमंत्रण पत्रों पर नवनिर्मित 'सेवा तीर्थ' परिसर की तस्वीर प्रमुखता से दी गई। इस परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और मंत्रिमंडल सचिवालय हैं। निमंत्रण पत्रों पर 'धर्म चक्र' भी दर्शाया गया है, जो 'धर्मसंगत कर्तव्य की निरंतर गति और सतत निर्यथार्थ कर्म' का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में लाल किला परिसर से स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा था, "इस मध्य आयोजन



में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की स्थायी विरासत को भी याद किया जाएगा और 2047 तक विकसित भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने में 'युवा शक्ति' की ऊर्जा, आकांक्षाओं और महत्वपूर्ण योगदान का उत्सव मनाया जाएगा।" एक पृष्ठ वाले मुद्रित निमंत्रण पत्र पर सेवा तीर्थ परिसर की तस्वीर है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी

कई पृष्ठों वाले ई-निमंत्रण पत्र में बीच में सेवा तीर्थ परिसर की तस्वीर, ऊपर दाईं ओर 'धर्म चक्र' का प्रतीक और ऊपर बाईं ओर दीर्घा का नाम दिया गया है। इसमें मूल कर्तव्यों की सूची तथा 'वंदे मातरम्' के सभी छंद अंग्रेजी और हिंदी में दिए गए हैं। इसके एक अन्य पृष्ठ पर तीन व्यूआर कोड दिए गए हैं। इनमें से एक को स्कैन कर 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है, दूसरे को स्कैन कर 'वंदे मातरम्' सुना जा सकता है और तीसरे को स्कैन करने पर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने का मार्ग, बैठने की व्यवस्था और यातायात संबंधी जानकारी मिलेगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए

बैठने की दीर्घाओं के नाम भारत की प्रमुख झीलों के नाम पर रखे गए हैं। इनमें बडखल, भीमताल, चंद्रगल, चिलिका, दलपत सागर, डिमना, दूधसागर, हाफलोण, हरिके, हुसेन सागर, कंवर, कांकरिया, कोलेरु, लोकटक, लोहार, पैगोंग त्सो, पुलिकट, पुष्कर, रवींद्र सरोवर, रामगढ़ ताल, रुद्रसागर, सांख्या सागर, शांति सागर, वेम्बनाड और चुलर शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि "वीआईपी संस्कृति समाप्त करने" के प्रयासों और जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करने के तहत 2026 के गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कर्तव्य पथ के किनारे बनी बैठने की दीर्घाओं के नाम नदियों के नाम पर रखे गए थे।

अमेरिका के कई राज्यों ने 'भारत दिवस' मनाने की घोषणाएं कीं

वाशिंगटन। अमेरिका के कई राज्यों ने अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों के बढ़ते योगदान को रेखांकित करते हुए 15 अगस्त 2026 को भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में 'भारत दिवस' मनाने की घोषणाएं की हैं। अमेरिका के कई राज्यों के गवर्नर, कई सीनेटर, संसद सदस्यों और नगर निकायों ने भी भारत के स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। बोस्टन में शहर की प्रमुख पहचान 'पुडैशियल टावर' को भारतीय तिरंगे के रंगों से रोशन किया गया।

केंद्रीय मंत्रियों ने दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई देशवासियों से विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनाने का किया आह्वान



नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय मंत्रियों ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, साथ ही एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से देश के विकास की गति को तेज करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मां भारती की आजादी के लिए अपना सर्वस्व ब्योखवर करने वाले सभी वीर सेनानियों को कटि-कोटि धन्य मन करता हूँ। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को और गति देने का संकल्प लें।" रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है और उन्होंने देश के भविष्य को आकार देने में नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डाला। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आज का यह दिन, भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व ब्योखवर करने वाले अविनाशित स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वय साहस, त्याग और सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करने का अवसर है। उनके संघर्ष ने हमें केवल राजनीतिक स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि अपने राष्ट्र के भविष्य को स्वयं गढ़ने का अधिकार और दायित्व भी दिया।" यह अवसर 140 करोड़ भारतवासियों के सामूहिक संकल्प का भी है, जिसके माध्यम से हम एक ऐसे सुरक्षित, सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करें।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

ट्रक से भिड़ी कार, पति-पत्नी समेत चार लोगों की मौत, पांच गंभीर

भाषा ►► रतलाम

मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा जाने के कारण पति-पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। शिवगढ़ थाना प्रभारी रणजीत मकवाना ने बताया कि यह

कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे

हादसा कजलिया पाड़ा के पास शुक्रवार देर रात करीब 11:30 बजे हुआ। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से जा भिड़ी। मकवाना के अनुसार हादसे में जतिन (34), उनकी पत्नी लिशा (30), पैपी (35) और रानू (35) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग धार

और इंदौर जिले के रहने वाले थे। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में कार चालक समेत पांच लोग घायल हुए जिन्हें रतलाम के चिकित्सा महाविद्यालय के अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग वाहन में फंस गए। कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे और राजस्थान के खाटूश्याम मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे।

दक्षिणी लेबनान पर इजराइल के हवाई हमलों में सात लोगों की गई जान

लेबनान-इजराइल के बीच घोषित 'फ्रेमवर्क समझौते' के बाद सबसे घातक हमला

एजेंसी ►► बरेलुत

दक्षिणी लेबनान पर शनिवार तड़के हुए इजराइल के हवाई हमले में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी के अनुसार,



बचावकर्मी और पराचिकित्सक अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हवाई हमला 26 जून को लेबनान और इजराइल के बीच घोषित 'फ्रेमवर्क समझौते' के बाद से सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इस समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना

की वापसी के बदले इरान समर्थित हिज्बुल्ला संगठन को निरस्त्र करने की योजना तय की गई थी। उधर इस हमले के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई बिल्डिंगें मलबे में तबदील हो गईं। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

संयुक्त सुरक्षा समन्वय तंत्र की बैठक अक्टूबर में त्रिपक्षीय योजना सम्मेलन पर सहमति जताई

दोहा। जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजित संयुक्त सुरक्षा समन्वय तंत्र की छठी बैठक के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, रवांडा गणराज्य, कतर राज्य, टोंगो गणराज्य (अफ्रीकी संघ मध्यस्थ के रूप में), और अफ्रीकी संघ आयोग की सरकारों ने निम्नलिखित संयुक्त बयान जारी किया। 12-13 अगस्त को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और रवांडा (पक्षकार), संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर, टोंगो

(अफ्रीकी संघ मध्यस्थ के रूप में) और अफ्रीकी संघ आयोग के प्रतिनिधियों ने संयुक्त सुरक्षा समन्वय तंत्र (जेएससीएम) की छठी बैठक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में अमेरिकी मिशन में आयोजित की। डीआरसी और रवांडा ने वाशिंगटन समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी और सत्यापन को मजबूत करने के लिए दो पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। अक्टूबर 2026 में एक त्रिपक्षीय योजना सम्मेलन पर सहमति जताई।



और सत्यापन को मजबूत करने के लिए दो पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। अक्टूबर 2026 में एक त्रिपक्षीय योजना सम्मेलन पर सहमति जताई।

संयुक्त राष्ट्र विकलांगता अधिकार समिति की बैठक

एजेंसी ►► जिनेवा

कतर राज्य ने संयुक्त राष्ट्र विकलांगता अधिकारों पर कन्वेंशन के प्रावधानों के कार्यान्वयन पर अपनी दूसरी से चौथी आवधिक रिपोर्ट को कवर करने वाली संयुक्त रिपोर्ट की चर्चा को समाप्त किया। जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विकलांगता अधिकार समिति के साथ इंटरएक्टिव संवाद के दौरान हुई। समापन वक्तव्य में, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए राज्य मंत्री मरियम बित अली बिन नासर अल मिसनद ने समिति के अध्यक्ष और सदस्यों को चर्चा के दौरान

विचारों व अनुभवों का आदान-प्रदान मानव अधिकारों के लिए अहम आधार



आयोजित रचनात्मक और वस्तुनिष्ठ संवाद के लिए अपनी हार्दिक धन्यवाद और सराहना व्यक्त की, राष्ट्रीय संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, संयुक्त राष्ट्र के तकनीकी निकायों, अनुवादकों और

सभी लोगों के योगदान की खूब प्रशंसा की। मिसनद ने कहा कि संवाद और विचारों व अनुभवों का आदान-प्रदान मानव अधिकारों के क्षेत्र में वांछित प्रगति प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है।

सतर्कता टेक्सास में एक घातक हेलीकॉप्टर हादसे के बाद लिया निर्णय

यूएस ने दो सैनिकों की मौत के बाद अपाचे हेलीकॉप्टरों के प्रशिक्षण मिशन पर अस्थायी रूप से लगा दी रोक

एजेंसी ►► वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को अपाचे हेलीकॉप्टरों के सभी प्रशिक्षण मिशनों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह निर्णय टेक्सास में इस सप्ताह हुए एक घातक हेलीकॉप्टर हादसे के बाद लिया गया, जिसमें दो सैनिकों की मौत हो गई थी। बुधवार को हुए इस हादसे के कारणों का अभी खुलासा नहीं किया गया है, क्योंकि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। सेना ने बताया



कि अलबामा के फोर्ट रकर स्थित 'आर्मी कॉम्बैट रेडीनेस सेंटर' की एक सुरक्षा जांच टीम दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। सेना ने अपने बयान में कहा, "प्रशिक्षण पर यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक हमें इस

दुर्घटना के मूल कारण का पता नहीं चल जाता।" अमेरिकी सेना पहले भी ऐसे हादसों के बाद इसी तरह के कदम उठा चुकी है। तीन वर्ष पहले अलास्का और केंटकी में अलग-अलग हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में 12 सैनिकों की मौत के बाद सेना ने सभी विमानन इकाइयों की उड़ानें रोक दी थीं, ताकि अतिरिक्त सुरक्षा प्रशिक्षण पूरा किया जा सके। हालांकि, सेना ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अपाचे हेलीकॉप्टरों द्वारा संचालित लड़ाकू अभियानों को रोकने का कोई उल्लेख नहीं किया।

ईरानी ड्रोन से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था



हेलीकॉप्टर होर्मुज जलडमरूमध्य के आपसपस समुद्री मार्गों को खुला बनाए रखने के लिए तैनात किए गए हैं। हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर ईरानी ड्रोन से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने पिछले वर्ष वाशिंगटन डीसी के पास ब्लैक हॉक

हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाईंस के एक विमान की टक्कर की जांच के दौरान सेना की सुरक्षा संस्कृति की कड़ी आलोचना की थी।